केवल आप के लिये

गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम

सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com

मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती

www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क

मो0 9450567450

9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 223 सोमवार 4 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बारिश के साथ पड़े ओले

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती में शहर से लेकर गांव तक तेज बरसात शुरू हो गई। रविवार दिन में करीब 10.45 बजे शुरू हुई बरसात 11.15 तक जारी रही। तेज हवा के साथ शुरू हुई बरसात और ओला पड़ने से एक तरफ ठंड को वापस कर दिया है तो दूसरी तरफ गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है।

गेहूं की निकल रही बालियों सहित फसल तेज हवा के चलते गिर गई। विशेषज्ञों और किसानों की मानें तो इससे उपज कम हो जाएगी। शहर की गलियों से लेकर सड़क किनारे पानी जमा हो गया। कच्चे रास्तों पर कीचड़ तथा गड्ढों में पानी भर गया। इस कारण आने–जाने वालों को भी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा।

संदिग्ध परिस्थिति में युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के ओझागंज में शनिवार रात एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव कमरे में पंखे के कुंडे के सहारे रस्सी से लटकता मिला। परिजनों शव नीचे उतारकर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। रविवार सुबह कप्तानगंज पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पास्टमार्टम को भेजा। प्रभारी निरीक्षक कप्तानगंज दीपक दुबे ने बताया की प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

घटना रात 12 बजे की बताई जा रही है। ओझागंज निवासी सर्वेश कुमार शर्मा (28) पुत्र नीबर का चार वर्ष पूर्व विवाह हुआ। उसके पास डेढ़ साल का बेटा सौरभ भी है। पुलिस के अनुसार वह नशे का आदती बताया जा रहा है।

यज्ञ कर आर्य समाज ने मनाया विश्व वन्य जीव दिवस'

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जंगली जीव और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर रोक लगाने और इसके लिए आमजनमानस को जागरुक करने के उद्देश्य से सर्वप्रथम थाइलैंड ने 1973 में विश्व वन्य जीव दिवस मनाने का निर्णय लिया जो स्वागत योग्य था पर भारत में सृष्टि काल से ही जीवों के संरक्षण और समृद्धि के लिए ऋषियों ने यज्ञीय जीवन प्रणाली को अपनाने का संदेश दिया है उक्त बातें वन्य जीव दिवस के अवसर पर वैदिक यज्ञ कराते हुए यज्ञाचार्य अनूप कुमार त्रिपाठी ने कहीं। आर्य समाज नई बाजार बस्ती द्वारा स्वामी दयानन्द विद्यालय सुरतीहट्टा बस्ती में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने वैदिक मंत्रों से आहुतियां देते हुए वन्य जीवों और वनस्पतियों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया। आचार्य ने बताया कि ऋषियों ने पंच महायज्ञों में देवयज्ञ और बलिवैश्यदेव यज्ञ के माध्यम से पर्यावरण और जीवों के संरक्षण का सुझाव दिया है। जीवन में पंच महायज्ञों को जीवन में धारण करना हमारा कर्तव्य है। ज्ञात हो कि पर्यावरण और वन्य जीवों को संरक्षित करने से भूमि पर जीवन को संभाला जा सकता है। वन्य जीवों के लुप्त होने से पर्यावरणीय संतुलन और विकास पर असर पड़ता है। यह दिन हमें संगठन के रूप में मिलकर जनजागरण करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर मुख्य रूप से शिव श्याम, राधा देवी, दिलीप कुमार, कार्तिकेय, वैष्णवी, परी कुमारी आदि सम्मिलित रहे।

जन विश्वास रैली में लालू, राहुल गांधी, अखिलेश, तेजस्वी ने बीजेपी पर चलाये सियासी तीर

पटना (आभा)। पटना गांधी मैदान में आयोजित जनविश्वास रैली के मंच से राजद के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव ने भाजपा पर निशाना साधा।

लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुले तौर पर ललकारा। रैली को संबोधित करते हुए लालू यादव ने कहा कि क्या है यह मोदी? लालू प्रसाद यादव ने नरेंद्र मोदी के बारे में कहा कि वह हिंदू नहीं है। परिवारवाद पर हमला करने के लिए लालू ने नरेंद्र मोदी को आड़े हाथों लिया उन्होंने नीतीश कुमार को पलटू राम कहकर संबोधित किया।

रैली की भीड़ को संबोधित करते हुए भाषण में लालू ने कहा कि नरेंद्र मोदी परिवारवाद पर हमला करते हैं। पहले यह बताएं कि अपने परिवार में कोई संतान क्यों नहीं है। आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी हिंदू भी नहीं हैं। क्योंकि हिंदू परिवार में जब किसी सदस्य का निधन होता है तो बाल–दाढ़ी का मुंडन कराता है। लेकिन नरेंद्र मोदी की मां का जब देहावसान हुआ तो बाल भी नहीं मुंडवाया। बोलो क्यों ने बाल दाढ़ी छिलवाया।

लालू प्रसाद ने पीएम नरेंद्र मोदी पर देशभर में नफरत फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा वाले राम रहीम के बंदों के बीच भेदभाव करते रहते हैं। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर तंज कसते हुए कहा कि इतने दिनों से भगवान जी बिना प्राण प्रतिष्ठा के ही थे क्या जो मोदी ने उनमें प्राण डाल दिया। आरजेडी सुप्रीमो ने कहा कि बिहार जो भी राजनैतिक फैसला लेता है उसका देश के लोग अनुकरण करते है।बिहार से हवा फैलती है तो देश भर में जाती है। कल भी यही होने वाला है। उन्होंने कहा कि राम जी की शादी बिहार की सीता माता से जनकपुर में हुआ। यहां कितने बड़े बड़े शूरमा पैदा हुए। एक समय था जब बिहार में पिछड़े और दलित जाति के लोगों को बोलने, वोट देने और कुंआ से पानी भरने से रोकते थे। हमने बिहार में गरीबों को ताकत दी तो देश भर के दलित, पिछड़े, आदिवासी अपने अधिकारों के लिए सजग हो गए। गरीबों ने सामंती ताकतों से लोहा लेना शुरू कर दिया।

राजधानी पटना के गांधी मैदान में रविवार को महागठबंधन की जन विश्वास महारैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने अमीरों का 16 लाख करोड़ रुपया माफ कर दिया लेकिन गरीबों पर उनका कोई ध्यान नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि हम लोग आरएसएस और बीजेपी से नहीं डरते हैं।

इससे पहले भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि नीतीश कुमार के विकास के दावे के नीचे गरीबी का अंधकार है। लोग गरीबी का दंश झेल रहे हैं। महागठबंधन की सरकार बनी तभी वास्तविक विकास हुआ, जातीय गणना हुई, सामाजिक आर्थिक सर्वे हुआ, आरक्षण का विस्तार हुआ, पक्की नौकरी की मुहिम चली। नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि किसी एक व्यक्ति के कहीं जाने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। बिहार की जनता बदलाव के लिए तैयार है। बिहार और देश को बचाने के लिए जनता तैयार है। हमारी एकता बिहार को बदल देगी। वहीं अपने संबोधन के दौरान सीताराम येचुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी कहते हैं कि यह अमृत काल है। सच यही है, अच्छे नहीं गलत लोगों के हाथ में अमृत चला गया है। आज की रैली से मोदी को बदलने का संदेश पूरे देश में फैला है।

वहीं अपने संबोधन के दौरान उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी की 80 व बिहार की 40 यानी इन 120 सीटों पर भाजपा की 2024 में हार तय है। बिहार और यूपी से भाजपा बाहर जाने वाली है। उन्होंने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में संविधान मंथन होने जा रहा है। एक तरफ संविधान बचाने वाले लोग हैं तो दूसरी ओर इसे खत्म कर देने वाले हैं। तेजस्वी यादव ने माई बाप जनता से समर्थन मांगा।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने राजस्थान के उप मुख्यमंत्री का फुटहिया चौराहे पर किया स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद के फुटहिया चौराहे पर सांसद हरीश द्विवेदी व भाजपा जिलाध्यक्ष की अगुवाई में राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद्र बैरवां का सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने फूल–मालाओं व गाजे–बाजे से स्वागत किए। उपमुख्यमंत्री अयोध्या में भगवान राम लला के दर्शन के पश्चात गाड़ी से सिद्धार्थनगर जनपद में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर आयोजित बस्ती कलस्टर (लोकसभा बस्ती, संतकबीरनगर व डुमरियागंज) प्रबंध समिति की बैठक में सामिल होने जा रहे थे। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे, रवि सोनकर, प्रमोद पांडेय, बालकृष्ण त्रिपाठी पिंटू, राजू पांडेय, ब्रह्मदेव यादव देवा, दिलीप पांडेय, आलोक त्रिपाठी, गिल्लम चौधरी, विद्यामणि, राजेश पाल चौधरी, सुनील सिंह, दुष्यंत सिंह, केके दुबे,भावेश पांडेय, वरुण सिंह, बब्लू सिंह सहित सैकड़ो समर्थको ने स्वागत किया।

सपा के संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, सामाजिक न्याय सम्मेलन में निशाने पर रही भाजपा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को समाजवादी पार्टी द्वारा किसान पूर्व माध्यमिक विद्यालय बरगदवा माफी अमारी बाजार के परिसर में संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, सामाजिक न्याय सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि समाजवादी पिछड़ा वर्ग के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चौ. लौटन राम निषाद ने कहा कि लोकसभा का यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र बचाने के मुद्दे पर लड़ा जायेगा। चुनाव के समय भाजपा श्रीराम–निषादराज के मित्रता की बात करती है। सरकार बनने के बाद कश्यप निषाद समाज के साथ सौतेला व्यवहार करना शुरू कर देती है। कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि सरकार बनने पर निषाद, मछुआ, केवट, बिन्द मल्लाह, धीमर, धीवर, मांझी, कश्यप, तुरहा, कहार, गोडिया, रायकवार, राजभर, नोनिया, कुम्हार, बियार, बंजारा आदि जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल कराया जायेगा, लेकिन भाजपा सरकार ने वादा पूरा न कर सपा सरकार द्वारा केंद्र सरकार को भेजे गये प्रस्ताव को रद्द कर दिया, निषादराज जयंती के अवकाश को खत्म कर दिया। योगी सरकार ने वीरांगना फूलन देवी की प्रतिमा को लगने नहीं दिया। निषाद मछुआ समुदाय के बालू मौरंग खनन, मत्स्यपालन जैसे परम्परागत अधिकारों को छीनकर माफियाओं के हाथों नीलाम कर दिया। लौटन राम निषाद ने कहा कि समाजवादी सरकार में सम्मान, पहचान दिलाने के लिए निषादराज जयंती को सार्वजनिक छुट्टी की, जिसे योगी सरकार ने खत्म कर दिया, बालू–मौरंग खनन व मत्स्य पालन पट्टा के अधिकार को खत्म कर दिया। ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिये एकजुट होना होगा।

बस्ती लोकसभा 61 से इण्डिया गठबंधन से सपा प्रत्याशी पूर्व कैबिनेट मंत्री राम प्रसाद चौधरी ने हरैया विधानसभा क्षेत्र के अमारी बाजार में आयोजित संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, सामाजिक न्याय सम्मेलन में कहा कि अभी से न चेते तो भाजपा लोकतंत्र और संविधान को समाप्त कर देगी। यह लड़ाई केवल चुनाव में जीत हार की नहीं है। हमें लोकतंत्र को बचाने के लिये सपा की जीत सुनिश्चित करनी होगी।

–श्रीराम–निषादराज मित्रता को तोड़ देना चाहती है भाजपा–लौटन राम निषाद

–लोकतंत्र, संविधान बचाने के लिये सपा का साथ दें मतदाता– राम प्रसाद चौधरी

–पेपर लीक धोखे का करारा जबाब देंगे नौजवान– महेन्द्रनाथ यादव

सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार किसान, नौजवान हितों पर कुठाराघात कर पूंजीपतियों को पोषित कर रही है। नौकरी मांगने पर युवाओं को लाठियों से पिटवाया जा रहा है। पेपर लीक के नाम पर बेरोजगार युवाओं के साथ भाजपा ने धोखा किया है। बेरोजगार युवा और उनका परिवार इस चुनाव में भाजपा से अपना हिसाब लेगा। कहा कि भाजपा को यूपी में हरा दिया तो उसके दिल्ली का रास्ता खुद रुक जायेगा। विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' के साथ ही प्रवीण पाठक, अरविन्द यादव, मो. स्वालेह, गुलाम गौस आदि ने कहा कि सपा की जीत से ही विकास और विश्वास का रास्ता निकलेगा। भाजपा जैसे साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण कर भाई से भाई को लड़ाने वाली पार्टी को करारा जबाब देने का वक्त आ गया है।

संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, सामाजिक न्याय सम्मेलन की अध्यक्षता सुभाष चन्द्र निषाद ने किया। मुख्य रूप से सीताराम चौहान, सुशील सोनी, विनोद निषाद, संदीप निषाद, मथुरा चौधरी, दिनेश चौधरी, अशोक सिंह, अंकुर गौतम, रितिक गौतम, श्याम सुन्दर यादव, विजय पाल, मनीष यादव के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलायें और सपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार किसान, नौजवान हितों पर कुठाराघात कर पूंजीपतियों को पोषित कर रही है। पेपर लीक के नाम पर बेरोजगार युवाओं के साथ भाजपा ने धोखा किया है। बेरोजगार युवा और उनका परिवार इस चुनाव में भाजपा से अपना हिसाब लेगा। कहा कि भाजपा को यूपी में हरा दिया तो उसके दिल्ली का रास्ता खुद रुक जायेगा। विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' के साथ ही प्रवीण पाठक, अरविन्द यादव, मो. स्वालेह, गुलाम गौस आदि ने कहा कि सपा की जीत से ही विकास और विश्वास का रास्ता निकलेगा। भाजपा जैसे साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण कर भाई से भाई को लड़ाने वाली पार्टी को करारा जबाब देने का वक्त आ गया है।

संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, सामाजिक न्याय सम्मेलन की अध्यक्षता सुभाष चन्द्र निषाद ने किया। मुख्य रूप से सीताराम चौहान, सुशील सोनी, विनोद निषाद, संदीप निषाद, मथुरा चौधरी, दिनेश चौधरी, अशोक सिंह, अंकुर गौतम, रितिक गौतम, श्याम सुन्दर यादव, विजय पाल, मनीष यादव के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलायें और सपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कोई भी युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता–योगी

गोरखपुर (आभा)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बक्शीपुर स्थित जुबिली इंटर कॉलेज में प्रोजेक्ट अंलकार योजना का शिलान्यास किया। 1500 विद्यार्थियों को टैबलेट और 3000 विद्यार्थियों को स्मार्टफोन वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने 15 विद्यार्थियों को टैबलेट और 10 विद्यार्थियों को स्मार्टफोन अपने हाथों से प्रदान कर इसका शुरुआत की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश भर के युवाओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रदेश में कोई भी युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। यदि किसी ने ऐसा किया तो वह जिंदगी भर के लिए जेल में सड़ेगा। यही नहीं, उसके बाप–दादा की प्रॉपर्टी भी सरकार जब्त कर लेगी।

इस अवसर पर सीएम ने 26 माध्यमिक विद्यालयों में 17.35 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट अलंकार के कार्यों तथा 141 माध्यमिक विद्यालयों में 7.58 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 330 प्रीमियम स्मार्ट क्लास रूम का शिलान्यास भी किया। चार इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को उन्होंने स्मार्ट क्लास का प्रमाण पत्र भी सौंपा। समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में सिर्फ स्मार्ट सिटी ही नहीं होगी बल्कि स्मार्टफोन और स्मार्ट क्लास से जुड़कर यूपी के युवा पूरी दुनिया के सामने स्मार्ट युवा बनेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवंबर 2021 में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना लांच कर स्मार्टफोन और टैबलेट वितरण का कार्यक्रम शुरू किया गया। इसका उद्देश्य युवा शक्ति को डिजिटली सक्षम बनाना है ताकि भविष्य में कोरोना जैसी कोई महामारी पठन पाठन को बाधित न कर आए। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब भौतिक रूप से पठन पाठन ठप हो गया था तब पीएम मोदी ने तकनीक से जुड़ने का विजन दिया। आज इसी का अनुसरण करते हुए प्रदेश में 20 लाख युवाओं को बिना भेदभाव स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध करा दिए गए हैं।

बिना संसाधन ऑन लाइन सूचना देने का शिक्षकों ने किया विरोध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को समाजवादी पार्टी द्वारा किसान पूर्व माध्यमिक विद्यालय बरगदवा माफी अमारी बाजार के परिसर में संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, सामाजिक न्याय सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि समाजवादी पिछड़ा वर्ग के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चौ. लौटन राम निषाद ने कहा कि लोकसभा का यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र बचाने के मुद्दे पर लड़ा जायेगा। चुनाव के समय भाजपा श्रीराम–निषादराज के मित्रता की बात करती है। सरकार बनने के बाद कश्यप निषाद समाज के साथ सौतेला व्यवहार करना शुरू कर देती है। कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि सरकार बनने पर निषाद, मछुआ, केवट, बिन्द मल्लाह, धीमर, धीवर, मांझी, कश्यप, तुरहा, कहार, गोडिया, रायकवार, राजभर, नोनिया, कुम्हार, बियार, बंजारा आदि जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल कराया जायेगा, लेकिन भाजपा सरकार ने वादा पूरा न कर सपा सरकार द्वारा केंद्र सरकार को भेजे गये प्रस्ताव को रद्द कर दिया, निषादराज जयंती के अवकाश को खत्म कर दिया। योगी सरकार ने वीरांगना फूलन देवी की प्रतिमा को लगने नहीं दिया। निषाद मछुआ समुदाय के बालू मौरंग खनन, मत्स्यपालन जैसे परम्परागत अधिकारों को छीनकर माफियाओं के हाथों नीलाम कर दिया। लौटन राम निषाद ने कहा कि समाजवादी सरकार में सम्मान, पहचान दिलाने के लिए निषादराज जयंती को सार्वजनिक छुट्टी की, जिसे योगी सरकार ने खत्म कर दिया, बालू–मौरंग खनन व मत्स्य पालन पट्टा के अधिकार को खत्म कर दिया। ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिये एकजुट होना होगा।

बस्ती लोकसभा 61 से इण्डिया गठबंधन से सपा प्रत्याशी पूर्व कैबिनेट मंत्री राम प्रसाद चौधरी ने हरैया विधानसभा क्षेत्र के अमारी बाजार में आयोजित संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, सामाजिक न्याय सम्मेलन में कहा कि अभी से न चेते तो भाजपा लोकतंत्र और संविधान को समाप्त कर देगी। यह लड़ाई केवल चुनाव में जीत हार की नहीं है। हमें लोकतंत्र को बचाने के लिये सपा की जीत सुनिश्चित करनी होगी।

सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार किसान, नौजवान हितों पर कुठाराघात कर पूंजीपतियों को पोषित कर रही है। नौकरी मांगने पर युवाओं को लाठियों से पिटवाया जा रहा है। पेपर लीक के नाम पर बेरोजगार युवाओं के साथ भाजपा ने धोखा किया है। बेरोजगार युवा और उनका परिवार इस चुनाव में भाजपा से अपना हिसाब लेगा। कहा कि भाजपा को यूपी में हरा दिया तो उसके दिल्ली का रास्ता खुद रुक जायेगा। विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' के साथ ही प्रवीण पाठक, अरविन्द यादव, मो. स्वालेह, गुलाम गौस आदि ने कहा कि सपा की जीत से ही विकास और विश्वास का रास्ता निकलेगा। भाजपा जैसे साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण कर भाई से भाई को लड़ाने वाली पार्टी को करारा जबाब देने का वक्त आ गया है।

संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, सामाजिक न्याय सम्मेलन की अध्यक्षता सुभाष चन्द्र निषाद ने किया। मुख्य रूप से सीताराम चौहान, सुशील सोनी, विनोद निषाद, संदीप निषाद, मथुरा चौधरी, दिनेश चौधरी, अशोक सिंह, अंकुर गौतम, रितिक गौतम, श्याम सुन्दर यादव, विजय पाल, मनीष यादव के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलायें और सपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

–4 मार्च को सौंपेंगे ज्ञापन, राज्य कर्मचारियों की भांति सुविधा की मांग

बालू–मौरंग खनन व मत्स्य पालन पट्टा के अधिकार को खत्म कर दिया। ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिये एकजुट होना होगा।

बस्ती लोकसभा 61 से इण्डिया गठबंधन से सपा प्रत्याशी पूर्व कैबिनेट मंत्री राम प्रसाद चौधरी ने हरैया विधानसभा क्षेत्र के अमारी बाजार में आयोजित संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, सामाजिक न्याय सम्मेलन में कहा कि अभी से न चेते तो भाजपा लोकतंत्र और संविधान को समाप्त कर देगी। यह लड़ाई केवल चुनाव में जीत हार की नहीं है। हमें लोकतंत्र को बचाने के लिये सपा की जीत सुनिश्चित करनी होगी।

सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार किसान, नौजवान हितों पर कुठाराघात कर पूंजीपतियों को पोषित कर रही है। नौकरी मांगने पर युवाओं को लाठियों से पिटवाया जा रहा है। पेपर लीक के नाम पर बेरोजगार युवाओं के साथ भाजपा ने धोखा किया है। बेरोजगार युवा और उनका परिवार इस चुनाव में भाजपा से अपना हिसाब लेगा। कहा कि भाजपा को यूपी में हरा दिया तो उसके दिल्ली का रास्ता खुद रुक जायेगा। विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' के साथ ही प्रवीण पाठक, अरविन्द यादव, मो. स्वालेह, गुलाम गौस आदि ने कहा कि सपा की जीत से ही विकास और विश्वास का रास्ता निकलेगा। भाजपा जैसे साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण कर भाई से भाई को लड़ाने वाली पार्टी को करारा जबाब देने का वक्त आ गया है।

संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, सामाजिक न्याय सम्मेलन की अध्यक्षता सुभाष चन्द्र निषाद ने किया। मुख्य रूप से सीताराम चौहान, सुशील सोनी, विनोद निषाद, संदीप निषाद, मथुरा चौधरी, दिनेश चौधरी, अशोक सिंह, अंकुर गौतम, रितिक गौतम, श्याम सुन्दर यादव, विजय पाल, मनीष यादव के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलायें और सपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की बैठक में रेल किराये में छूट बहाल करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन कार्यकारिणी की बैठक जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित पेंशनर्स कक्ष में सम्पन्न हुई। संचालन सचिव सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव ने किया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय ने कहा कि 65,70,75 वे वर्ष पर पेंशनरों को क्रमश 5, 10, 15 प्रतिकर पेंशन बढोत्तरी दिया जाय। कोरोना काल के पूर्व रेल यात्रा में वरिष्ठ नागरिकों को दिया जाने वाला छूट शुरू किया जाय और उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को किराये में 30 प्रतिशत छूट दिये जाने के साथ ही पेंशनरों के लम्बित मांगों का निराकरण कराया जाय। कहा कि एसोसिएशन इस दिशा में निरन्तर सक्रिय है।

बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामनाथ, उपाध्यक्ष प्रेमशंकर लाल श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, नरेन्द्रदेव मिश्र, छोटेलाल यादव आदि ने सम्बोधित करते हुये पुरानी पेंशन बहाली एवं कैशलेश चिकित्सा में आ रही कठिनाईयों के समाधान कराने का मुद्दा उठाया। कहा कि पेंशनरों की समस्याओं के समाधान हेतु निरन्तर प्रयास जारी हैं। राधेश्याम त्रिपाठी, सुरेश्वर दूबे, उदयराज वर्मा, रामनाथ, प्रेमशंकर लाल, आदि ने पेंशनरों की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। बैठक में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं पर कार्यकारिणी की बैठक में बिन्दुवार विचार विमर्श किया गया। इसके साथ ही सदस्यता बढाये जाने पर जोर दिया गया।

बैठक में राधेश्याम तिवारी, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, सुरेन्द्रनाथ उपाध्याय, श्रीगोपाल त्रिपाठी, गणेशदत्त शुक्ल, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, सुरेश धर दूबे, प्रेमप्रकाश मिश्र, जयनाथ सिंह, अंगिरा प्रसाद, भगवान दास, बुद्धि सागर पाण्डेय, शीतला प्रसाद पाण्डेय, उदयराज वर्मा, राधेश्याम गुप्ता, बाबूराम आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 मार्च 2024 सोमवार

सम्पादकीय

इसरो की उड़ान

वर्ष 2023 भारत के लिए अंतरिक्ष में सफलता प्राप्त करने के उद्देश्य के रूप में बहुत ही महत्वपूर्ण रहा। यह बात सभी को विदित ही है कि 14 जुलाई 2023 को चंद्रयान–3 ने श्रीहरिकोटा में अवस्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी थी और भारतीय अंतरिक्ष यान ने 5 अगस्त 2023 को चंद्र कक्षा में निर्बाध रूप से प्रवेश किया। जब लैंडर ने 23 अगस्त 2023 को चंद्र दक्षिणी ध्रुव के निकट एक सफल लैंडिंग की तो यह भारत के लिए एक बहुत ही बड़ा व ऐतिहासिक कदम था। उल्लेखनीय है कि चंद्रयान–3 की चन्द्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंडिंग के बाद इसरो द्वारा आदित्य–एल 1 सूर्य मिशन की लॉन्चिंग दुनियाभर में चर्चा का विषय रहे थे।इसी क्रम में अब भारत सरकार ने हाल ही में गगनयान मिशन के तहत अंतरिक्ष में भारत की पहली उड़ान के लिए चयनित एयरफोर्स के चार पायलटों के नाम भी बताए हैं। इनमें क्रमशः ग्रुप कैप्टन प्रशांत नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला शामिल हैं, जिनके नाम स्वयं देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 27 फरवरी 2024 को केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र का दौरा करने एवं गगनयान मिशन की तैयारियों की समीक्षा करने के बाद जारी किए हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह कहा कि, 'ये चार नाम या चार इंसान नहीं हैं। 140 करोड़ आकांक्षाओं को अंतरिक्ष में ले जाने वाली शक्तियां हैं। 40 साल के बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में जाने वाला है। इस बार टाइम भी हमारा है, काउंटडाउन भी हमारा है और रॉकेट भी हमारा है।'बहरहाल, जानकारी देना चाहूंगा कि गगनयान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का एक मिशन है और इस मिशन के तहत तीन अंतरिक्ष मिशनों को कक्षा में भेजा जाएगा। इन तीन मिशनों में से 2 मानवरहित होंगे, जबकि एक मानव युक्त मिशन होगा। यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि‌अक्तूबर 2023 में अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने गगनयान के पहले टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन–1 (टीवी–डी1) को भी लॉन्च किया था और वर्तमान में इसरो की नजर गगनयान मिशन पर है जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाया जाएगा। सच तो यह है कि गगनयान मिशन को कई चरणों के जरिए सफलता के अंजाम तक पहुंचाया जाएगा। दरअसल, गगनयान में क्रू एस्केप सिस्टम (सीईएस) सबसे खास है। इसरो के अनुसार, फ्लाइट टेस्ट व्हीकल अबॉर्ट मिशन1 में किसी अनहोनी की दशा में अंतरिक्ष यात्रियों को बचाने में यह क्रू–एस्केप प्रणाली काम आएगी। उड़ान भरते समय अगर मिशन में कोई भी गड़बड़ी हुई तो यह प्रणाली क्रू मॉड्यूल के साथ यान से अलग हो जाएगी, कुछ समय उड़ेगी और श्रीहरिकोटा से 10 किमी दूर समुद्र में उतरेगी। इसमें मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों को नौसेना की ओर से समुद्र से सुरक्षित वापस लाया जाएगा। इसके बाद दूसरा परीक्षण वाहन टीवी–डी2 मिशन और गगनयान (एलवीएम3–जी1) का पहला मानव रहित मिशन होगा। परीक्षण वाहन मिशन (टीवी–डी3 और डी4) की दूसरी श्रृंखला और रोबोटिक पेलोड के साथ एलवीएम3–जी2 मिशन की अगली योजना बनाई गई है। एजेंसी के मुताबिक, चालक दल मिशन की योजना सफल परीक्षण वाहन के नतीजे और उन मिशनों के आधार पर बनाई गई है जिनमें कोई चालक दल नहीं है। दरअसल इसरो इस मिशन के लिए लगातार कड़ी मेहनत कर रहा है और किसी भी हाल और परिस्थितियों में अंतरिक्ष यात्रियों को खोना नहीं पड़े इसके लिए इसरो द्वारा छह परीक्षणों की एक श्रृंखला तैयार की गई है। जानकारी देना चाहूंगा कि पिछले साल अक्टूबर में हुए एक अहम परीक्षण में यह सामने आया है कि रॉकेट में गड़बड़ी होने पर चालक दल सुरक्षित बाहर निकल सकता है। बहरहाल, पाठकों को यह भी विदित हो कि गगनयान देश का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है जिसके तहत चार अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में भेजे जायेंगे । मीडिया के हवाले से यह सामने आ रहा है और इस मिशन को वर्ष 2024 के आखिर या वर्ष 2025 की शुरुआत तक अंतरिक्ष में भेजा जा सकता है। इसी साल यानी कि वर्ष 2024 में मानव रहित परीक्षण उड़ान भरी जायेगी, जिसमें एक व्योममित्र रोबोट को भेजा जाएगा। बताता चलूं कि गगनयान मिशन तीन दिवसीय मिशन है। मिशन के लिए 400 किलोमीटर की पृथ्वी की निचली कक्षा पर मानव को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा और फिर सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा। यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि गगनयान मिशन के सफल होने पर भारत उन देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा, जिन्होंने खुद चालक दल अंतरिक्ष यान लॉन्च किया है। बताता चलूं कि अभी तक अमेरिका, रूस और चीन ही यह काम कर पाए हैं। यहां यह बात कहना गलत नहीं होगा कि आज इसरो संपूर्ण विश्व में अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक मिसाल बनकर उभर रहा है और अंतरिक्ष मिशनों का लगातार भारतीयकरण(स्वदेशीकरण) हो रहा है। हम अंतरिक्ष के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर लगातार अग्रसर हैं और हमने काफी हद तक मिशन गगनयान का भारतीयकरण कर दिया है। यह इसरो के वैज्ञानिकों की बड़ी सफलता है। इसरो की पूरी टीम इसके लिए बधाई की पात्र है। हमारे लिए इससे बेहतर और बड़ी उपलब्धि और भला क्या हो सकती है कि गगनयान मिशन के लिए प्रयुक्त किए जाने वाले अधिकतर पुर्जे हमारे देश भारत में ही बने हैं। सच तो यह है कि इसरो की उपलब्धियां हम सभी का सिर संपूर्ण विश्व में ऊंचा करतीं हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि चालीस साल पहले हमारे देश के राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय थे। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि उस समय अंतरिक्ष से सोयूज टी–11 की क्रू के साथ ज्वॉइंट कॉन्फ्रेंस के जरिए देश ने पहली बार अंतरिक्ष में मौजूद अपने नागरिक(राकेश शर्मा) के साथ बात की थी। उस समय की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने राकेश शर्मा ने पूछा था कि अंतरिक्ष से भारत कैसा दिखता है? तो उन्होंने हिंदी में जवाब दिया था– 'सारे जहां से अच्छा, हिंदोस्ता हमारा।' उल्लेखनीय है कि राकेश शर्मा को 'हीरो ऑफ द सोवियत यूनियन अवॉर्ड' से भी नवाजा गया और वो इकलौते भारतीय हैं, जिन्हें ये सम्मान मिला। इसके साथ ही उन्हें अशोक चक्र से भी सम्मानित किया गया। हाल फिलहाल, हमारे देश काचंद्रयान–3 मिशन चांद के उस दक्षिणी हिस्से पर उतरा, जहां इससे पहले अमरीका और रूस जैसे अंतरिक्ष खोजी देशों का कोई यान नहीं उतर पाया था। रूस ने हमारे साथ–साथ ऐसा ही अभियान लांच किया था, लेकिन वह असफल रहा। हम अंतरिक्ष के क्षेत्र में लगातार सफलता के झंडे गाड़ रहे हैं। हमारा आदित्य द्र एल 1 अभियान(सूर्य मिशन) धरती से 15 हजार किलोमीटर दूर अवस्थित होकर सूर्य की जांच–पड़ताल कर रहा है। आज अंतरिक्ष अभियानों का लगातार व्यवसायीकरण हो रहा है, विश्व के अनेक देश हमारे इसरो के अभियानों में लगातार रूचि दिखा रहे हैं और अपने उपग्रह प्रक्षेपित करवा रहे हैं। आज हमारा इसरो विश्व के अनेक देशों के उपग्रह प्रक्षेपित करके अंतरिक्ष से संचार क्रांति लाने का संदेश दे रहा है और अब तो निजी निवेशकों को भी इस अभियान यात्रा में शामिल होने का संदेश दे दिया गया है। निःसंदेह वर्ष 1969 में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) की स्थापना के बाद भारत लगातार अंतरिक्ष में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कर रहा है।

भाजपा का दक्षिण पथ आसान नहीं

—वेद विलास उनियाल—

जब उत्तर भारत की राजनीति में हिमाचल और यूपी में राज्यसभा की सीटों के लिए बिसातें बिछ रही थीं, पीएम मोदी दक्षिण भारत में अपनी सभाओं के जरिए लोगों से संवाद कर रहे थे। बीजेपी अपने उस दक्षिण मिशन पर गंभीर है, जिसकी बदौलत वह एनडीए के चार सौ वाले नारे को धरातल रूप देना चाहती है। निश्चित ही दक्षिण का यह सफर काफी अड़चनों भरा है। लेकिन बीजेपी का यह संकल्प बिना दक्षिण विजय के पूरा नहीं हो सकता। बीजेपी की चुनौती यह भी है कि तमिलनाडु, केरल और आंध्र में उसके संगठन का बहुत विस्तार नहीं हुआ है। बीजेपी के लिए दक्षिण के राज्य कमजोर कड़ी कहे जाते रहे हैं। बीजेपी ने दक्षिण के प्रवेश द्वार कहे जाने वाले कर्नाटक और किसी हद तक तेलंगाना में अपना आधार बढ़ाया है। बीजेपी एनडीए के जरिए दक्षिण में बेहतर परिणाम के लिए संघर्ष कर रही है।

कुछ दशक पहले बीजेपी तमिलनाडु–केरल जैसे राज्यों में छोटी–छोटी सभा और बैठकों के जरिए लोगों से जुड़ने की कोशिश करती थी। लेकिन दक्षिण में वह सिमटी ही रही। लेकिन अब खासकर तमिलनाडु, केरल व आंध्र में भी पीएम मोदी की जनसभाओं में उत्तर भारत की तरह नजारा दिखता है। एक समय तमिलनाडु में अन्ना द्रमुक का साथ लेकर भी बीजेपी की जनसभाएं इतना आकार नहीं लेती थीं। लेकिन अब जब वह तमिलनाडु में अकेले खड़ी है, तब उसकी अपनी उपस्थिति झलकती है।

नॉर्थ ईस्ट के राज्यों और पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने जिस तरह अपना विस्तार किया उसके पीछे उसकी रणनीति और अभियान को देखा जा सकता है। 2014 से पहले नॉर्थ ईस्ट में बीजेपी की कोई पहचान नहीं थी। लेकिन बीजेपी ने बहुत तेजी से और सधी हुई नीतियों के साथ राज्यों में अपना विस्तार ही नहीं किया बल्कि अधिकांश राज्यों में सरकारें भी बना ली। कहीं बीजेपी ने वहां की स्थानीय सियासी पार्टियों को साथ ता कहीं वहां के प्रभावी नेताओं को साथ जोड़ा। त्रिपुरा जैसे वामपंथ के गढ़ को उसने ध्वस्त किया। इसी तरह पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने पिछले लोकसभा चुनाव में 42 में 18 सीटें हासिल करके अपनी धमक बनाई। इसी तरह विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 77 सीटों पर जीत हासिल करके चौंकाया था। जिस तरह बीजेपी के लिए नॉर्थ ईस्ट और पश्चिम बंगाल कठिन लक्ष्य थे उसी तरह दक्षिण भारत की चुनौती भी बड़ी रही है।

अब बीजेपी ने रणनीति के साथ दक्षिण के राज्यों के मतदाताओं को को प्रभावित करने की रणनीति बनाई है । पीएम मोदी अगर पांच साल में 47 बार नोर्थ ईस्ट के दौरे पर गए तो दक्षिण भारत की ओर भी उनका जहाज समय समय पर उड़ान भरता रहा है। बीजेपी ने दक्षिण मिशन के लिए संगठन क्षमता को बेहतर करने का प्रयास किया। पीएम मोदी दक्षिण की अपनी जनसभाओं में संसद में स्थापित संगोल का जिक्र करना नहीं भूलते। इसके साथ वह दक्षिण के लोगों से संवाद जोड़ते हैं।

वर्ष 2014 के बाद से ही एनडीए सरकार ने कोशिश की है कि दक्षिण की अलग–अलग क्षेत्र की प्रतिभाओं से संवाद किया जाए। यही नहीं पद्म पुरस्कारों के लिए दक्षिण की प्रतिभाओं को आगे लाया गया। इसी कड़ी में इस बार पूर्व पीएम नरसिंह राव और कृषि वैज्ञानिक डा. स्वामीनाथन को भारत रत्न का ऐलान होना देखा जा सकता है। दक्षिण मिशन के लिए केवल पीएम मोदी ही नहीं बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी कई दौरे किए। काशी तमिल संगमम के आयोजनों की श्रृंखला इसी उद्देश्य से है कि किसी तरह दक्षिण और नॉर्थ के बीच संवादों का एक गलियारा तैयार हो। पीएम मोदी दक्षिण में अपने भाषणों की शुरुआत राज्य भाषा की कुछ पंक्तियों से करते है। वहां के प्रसिद्ध कवियों के कविताओं की पंक्तियां का उल्लेख करते हैं। पीएम मोदी ने दक्षिण के मठ मंदिर पुरातत्व संग्रहालय हर जगह जाकर लोगों से संवाद जोड़ा है। संसद में पीएम मोदी की शायद ही कोई स्पीच ऐसी हो जिसमें उन्होंने दक्षिण भारत के संदर्भ में कोई बात न कही हो।

बीजेपी ने दक्षिण भारत के राज्यों में भी जनाधार वाले नेताओं पर नजर रखी। साथ ही करिश्माई व्यक्तित्व वाले नेताओं को भी पार्टी से जोड़ने की कोशिश हुई है। असम में हिमंता बिस्वा और पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी जैसे नेता पार्टी से जुड़े। इसी तरह तेलंगाना में बंदी संजय कुमार पार्टी से जुड़े। तमिलनाडु में प्रशासनिक अधिकारी रहे अन्नामलाई की एन.मन एक मक्कल यानी मेरी भूमि मेरी यात्रा तमिलनाडु के खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बीजेपी से जोड़ रही हैं। आने वाले समय में बीजेपी तमिलनाडु में विपक्ष की बड़ी पार्टी के रूप में दिख सकती है।

दरअसल बीजेपी भविष्य में यहां अन्नाद्रमुक का विकल्प बनने का रास्ता तलाश रही है। यहां डीएमके और कांग्रेस का सशक्त गठबंधन है। इधर बीजेपी में राज्य अध्यक्ष अन्नामलाई कुप्पुसामी जैसे नेता की धारणा है कि पार्टी अपने ही स्तर पर खड़ी हो। अन्ना द्रमुक में जिस तरह बिखराव आया है उससे बीजेपी अपने लिए संभावना टटोल रही है। हाल ही में अन्ना द्रमुक के कुछ पूर्व विधायक बीजेपी से जुड़े हैं। यही नहीं बीजेपी तमिल लैंड में कन्याकुमारी, रामनाथ पुरम शिवगंगा, मदुरै जैसी कुछ सीटों पर फोकस कर रही है। 2019 लोकसभा में बीजेपी पांच सीटों पर चुनाव लड़ी थी। लेकिन एक भी सीट नहीं जीत पाई। 2021 के विधानसभा चुनाव में उसे चार सीटें मिल गई। लेकिन तब उसके साथ अन्नाद्रमुक भी साथ थी। स्थानीय निकाय के चुनाव में कुछ इलाकों में अकेले चुनाव लड़कर बीजेपी ने अच्छी सफलता पाई। तमिलनाडु में बीजेपी इस कोशिश में है कि द्रमुक के खिलाफ लोगों की नाराजगी के बीच वह विकल्प की तरह नजर आए। खासकर सनातन के पहलू पर डीएमके और बीजेपी के बीच जुबानी जंग भी चली है।

भाजपा ने दक्षिण के प्रवेश द्वार कर्नाटक में काफी पहले अपने आधार को खड़ा कर दिया था। 2007 में येदियुरप्पा राज्य के सीएम बने थे। 2019 की मोदी लहर में कर्नाटक से एनडीए को 28 में पच्चीस सीटें मिली। लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी की हार हुई। बीजेपी 66 और जेडीएस 19 सीटों पर सिमट गई। अब बीजेपी और जेडीएस फिर करीब आए हैं। तेलंगाना में बीजेपी को 17 में चार सीट मिली थी। इसे पार्टी ने बोनस की तरह देखा था। बीजेपी ने 19 प्रतिशत मत हासिल किए थे। आंध्र प्रदेश में बीजेपी का अपना खास आधार नहीं। लेकिन वह जिस पार्टी के साथ जुड़ती है उसका आधार बढ़ता है। पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू प्रतीक्षा कर रहे हैं कि बीजेपी के साथ तालमेल हो। लेकिन सीएम जगनमोहन रेड्डी के साथ भी केंद्र में बीजेपी से सहज रिश्ते रहे हैं। केरल में बीजेपी ने अपना संगठन तो बनाया है लेकिन उसे परिणाम में नहीं बदल सकी है। इस बीच केरल में लेफ्ट और कांग्रेस के बीच का दायरा तेजी से बढ़ा है। बीजेपी यहां ईसाई समुदाय में भी अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही है। लेकिन सियासी समीकरणों में बीजेपी का रास्ता सहज नहीं है।

दक्षिण मिशन को लेकर बीजेपी अपनी रणनीतियों के साथ है। खासकर जहां बीजेपी के लिए अवसर हो सकते हैं उन सीटों पर खासा फोकस किया जा रहा है। संभावित दलों के साथ भी बातचीत की प्रक्रिया चल रही है। राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले पीएम मोदी दक्षिण के कुछ प्रसिद्ध शिव मंदिरों में गए। बीजेपी इस विश्वास में भी है कि अयोध्या के राम मंदिर के उद्घाटन को दक्षिण के लोगों ने बहुत सकारात्मक रूप से देखा है। निश्चित इसके अपने मायने और संदेश भी हैं। मोदी दक्षिण के संतों ,विभूतियों, कवियों, मठों व बीते दौर के बड़े नेताओं का जिक्र करते हुए बीजेपी के लिए दक्षिण का पथ तैयार कर रहे हैं।—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

जीवन में आशाओं के अनंत आकाश

—संजीव ठाकुर—

जिंदगी का कैनवास जन्म से लेकर क1 तक समुद्र की तरह विराट और गहराई लिए हुए होता है। जीवन में वयक्तिक, पारिवारिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक विकास की संभावनाओं के साथ मनुष्य अपना जीवन प्रारंभ कर विकास प्रगति तथा ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है,बशर्ते उसके व्यक्तित्व में जीवन के प्रति जीजिविषा, संघर्ष करने की क्षमता, अनंत आत्म विश्वास और संयम के घटक मौजूद हो। ऐतिहासिक तौर पर भारतीय विकास सांस्कृतिक संरचना एवं संस्कार के मूलभूत तत्वों को लेकर दुनिया में अभूतपूर्व रहा है। वैसे भी भारतवर्ष सभ्यता से लेकर संस्कृति की प्रकृति के मामले में वैभवशाली इतिहास को समेटे हुए हैं। विकास और प्रगति के सोपान को कोई एक दिन वर्ष अथवा दशक में रेखांकित नहीं किया जा सकता, यह एक निरंतर, सतत एवं समय के साथ चलने वाली क्रिया की प्रतिक्रिया है। और प्रकृति सम्पता तथा मानव जीवन में परिवर्तन एक अकाट्य सत्य और शाश्वत अभिक्रिया है। व्यक्ति के जीवन तथा समाज या देश में विकास के संदर्भ में एवं घटकों को प्रारंभ से आदमी का धन उपार्जन, गरीबी भुखमरी से लड़ाई भूतकाल की कुरीतियों की विडंबना से संघर्ष का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन सब से समाज की प्रगति और विकास में राजाओं, सम्राटों की कूटनीति ,राजनीति सर्वोपरि रही है इतिहास से लेकर अब तक मनुष्य देश और विश्व के विकास में राजनैतिक नीति निर्देशक तत्व ही देश को बलवान,शक्तिहीन,भौगोलिक रूप से बड़ा या छोटा बनाते आए हैं। किसी भी राष्ट्र के राजा, सम्राट या राष्ट्र प्रमुख की अपनी क्षमता ,शक्ति, ऊर्जा और उसके विवेक से उस राष्ट्र की प्रगति विशाल या न्यूनतम होती देखी गई है। भूतकाल में कई संघर्षशील एवं उत्साह से लबरेज यात्रियों के वृतांत हमारी नजरों में आए हैं यथा कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे अत्यंत ऊर्जावान संघर्षशील और साहसिक यात्रियों द्वारा लगभग नामुमकिन रास्तों की खोज कर एक मिसाल कायम की है। नेपोलियन का एक बड़ा सूत्र वाक्य था कुछ भी असंभव नहीं है। बिस्मार्क जर्मनी के एक ऐसे सम्राट रहे हैं जिनके बारे में कहा जाता है की उनके हाथों में दो गेंद तथा 3 गेंदें हवा में होती थी, यूरोप का जादूगर भी कहलाता था, पूर्व से ही समुद्रगुप्त ,कनिष्क, सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, शेरशाह सूरी जैसे शासकों का अदम्य आत्मविश्वास एवं संघर्ष करने की क्षमता के फल स्वरुप भी भारत आज इस स्वरूप में विद्यमान है। **अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण से भी किसी भी राष्ट्र में सदैव विकास वैभव और आर्थिक तंत्र को मजबूत करने की संभावनाएं अवस्थित रहती हैं। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए भारत में गरीबी, भुखमरी ,बाढ़ तथा अन्य विभीषिका सदैव आती जाती रहती हैं। विशाल जनसंख्या के होने के कारण भारत में ही भारत की बड़ी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है और केवल भारत के कुछ नागरिकों को ही सारी जीवन की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, बाकी लोग इन सुविधाओं से वंचित भी हैं।** हमारा देश स्वतंत्रता के बाद से ही आवाज की कमी भूख गरीबी भ्रष्टाचार काला धन हवाला कुपोषण बेरोजगारी की बड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या के बावजूद ऐतिहासिक तौर पर देश सांस्कृतिक वैचारिक और संस्कारी युग से सदैव समृद्ध रहा है और धार्मिक रूप से भी देश में ज्ञान की जड़े बहुत गहराई तक हैं। भारत को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने के लिए वेद, पुराण, उपनिषद, गीता ,रामायण ,महाभारत महा ग्रंथों की पृष्ठभूमि बड़ी ही शक्तिशाली है।

देश में अनेक साधु संत ज्ञानी जिनमें मोहम्मद मूसा कबीर, रैदास, नामदेव, तुकाराम चौतन्य, तुलसीदास शंकरदेव जैसे महापुरुषों ने देश के सांस्कृतिक आध्यात्मिक विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। भारत में अनेक विदेशी आक्रमणों को झेल कर उन्हें आत्मसात किया है किंतु हमारी संस्कृत पाली एवं प्राकृत भाषा अन्य भाषाओं के साथ आज भी समृद्ध है। भारत में अनेक भाषा क्षेत्र एवं बोलियां हैं किंतु हिंदी, पंजाबी, गुजराती, बांग्ला, मराठी ,असमिया भाषाएं उसी तरह पल्लवित पुष्पित हो रही हैं जैसे की संस्कृत और प्राकृत पाली भाषा होती रही है। भारत में स्वाधीनता के बाद विकास के प्रगति के पथ पर वैज्ञानिक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास किया और पृथ्वी से लेकर नभ तक हर क्षेत्र में मानव की अतीव उत्कंठा ,जीजिविषा के कारण हमने चांद पर भी अपने वायुयान भेजें हैं। देश के नागरिकों की भौतिकवादी सुविधा के लिए भी हमने वतानुकुलित यंत्र ,वायुयान तेज चलने वाली ट्रेनें और वायुमंडल में अनेक ऐसे तथ्यों को जो आज तक छुपे हुए थे उजागर कर अपने महत्व के लिए इसका उपयोग करना शुरू किया है। यह कहावत आशाओं पर आकाश टिका हुआ है और आकाश का कोई अंत नहीं यानी मनुष्य की इच्छाओं का कोई अंत नहीं है मनुष्य पर सही प्रतीत होती है इसी तरह प्रगति और विकास का भी कोई अंत या अनंत नहीं है।

भारत देश में वैश्विक स्तर पर राजनैतिक सामाजिक वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक स्तर पर काफी प्रगति की एवं विश्व में योग अध्यात्म दर्शन का लोहा भी मनवाया है। मनुष्य की अभिलाषा का कोई निश्चित लक्ष्य नहीं है, मनुष्य मूल रूप से अत्यंत महत्वकांक्षी,लोलुप एवं इच्छाओं का दास हुआ करता है, ऐसे में पूर्व में किए गए कार्यों को निरंतर सुधार कर उसे नए रूप में प्राप्त करना मनुष्य की अभिलाषा हो सकती है,पर इसके लिए अथक मेहनत संघर्ष आत्मविश्वास एवं संयम की आवश्यकता होगी तभी जाकर हम अपने नए–नए लक्ष्यों को विकास तथा प्रगति के पैमाने पर टटोलकर आगे बढ़ा सकते हैं। पर लक्ष्य की प्राप्ति के साधन जरूर सच्चे ,पवित्र और मानव कल्याण की ओर अग्रेषित होने चाहिए, तब ही विकास प्रगति चाहे वह आध्यात्मिक, सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक अथवा वैज्ञानिक ही क्यों ना हो सफल हो सकती है।

लघुकथा — उम्मीद

—डॉ. राजेन्द्र सिंह 'राही'—

दिन बीतता गया, सुयश को अमेरिका गए आज दस वर्ष हो गये। सुभावती सुयश की तस्वीर सीने से लगाये उस मनहूस दिन को यादकर खूब रोना चाहती है लेकिन उसकी आँखों के आँसू जैसे सूख गये हैं, वह कोशिश करने पर भी बाहर नहीं निकल रहे। वहीं दीनानाथ बरामदें में रखे चौकी पर बैठे–बैठे अपनी किस्मत को कोस रहे थे। उनकी उदासी उनका दुःख बयाँ कर रही थी। वह समझ नहीं पा रहे थे कि उनकी परवरिश में ऐसी कौन–सी कमी रह गयी थी, जिससे उन्हें यह दिन देखना पड़ा।

सुयश अमेरिका जाने के बाद शुरू के वर्षों में तो अपने माता–पिता से नियमित फोन से बात कर लिया करता था और कभी–कभी वीडियो कॉलिंग करके अमेरिका की चमचमाती दुनियां की सच्चाई भी दिखा दिया करता था। तब सुभावती बेटे से दूर होने का दुःख भूल जाती थी, उसे ऐसा लगने लगता था कि जैसे बेटा बिल्कुल पास में ही कहीं नौकरी कर रहा है। सुयश का फोन न आने पर दीनानाथ खुद ही फोन कर लिया करते थे। किन्तु धीरे–धीरे बातचीत का यह सिलसिला कम होने लगा। सुयश न तो खुद फोन करता और न ही पापा के फोन को जल्दी उठाता और यदि उठाता भी तो कोई न कोई काम का बहाना बनाकर फोन काट देता। शुरूआत में दीनानाथ कुछ समझ नहीं पाये। उन्हें लगा कि बेटा नौकरी में व्यस्तता की वजह से बात नहीं कर पा रहा है किन्तु जब सुयश से बात का यह अंतराल ज्यादा बढ़ने लगा, तो दीनानाथ के मस्तिष्क पर बल पड़ने लगा और उनके चेहरे पर चिंता की लकीरें झलकने लगी। उनके मन में तरह–तरह के प्रश्न उठने लगे, जिसका संतोषजनक उत्तर न मिलने से वे उद्विग्न दिखाई देने लगे। सुभावती भी बेटे की याद में दिन–दिन दुखी रहने लगीं। उसकी चिंता उस समय और बढ़ गई, जब सुयश अपनी बहन आरती के विवाह में भी नहीं आया। दीनानाथ भी इससे बहुत दुःखी थे और अन्दर ही अन्दर घुटते जा रहे थे। उन्होंने सामाजिक उपहास के डर से लोगों से मिलना–जुलना भी कम कर दिया था। आरती विवाह के बाद अक्सर ससुराल से आकर अपने माता–पिता का हाल–चाल ले लिया करती थी। बेटी को खुशहाल देखकर दीनानाथ और सुभावती के मन को बड़ा सुकून मिलता था। किन्तु आरती के जाते ही उनकी उदासी बहुत बढ़ जाती थी। सुभावती तो बेटे की याद में दिन–दिन घुली जा रही थी। दीनानाथ ने अनेक तरीके से कोशिश किया कि बेटा घर वापस आ जाए। इसके लिए उन्होंने उसके विवाह की चर्चाएं भी की, किन्तु सुयश की उदासीनता से धीरे–धीरे दीनानाथ एवं सुभावती के सपने सूखते गये और उस दिन तो रहे सहे सपने भी आंसुओं में बह गये, जब सुयश ने फोन पर बताया कि उसने शादी कर लिया है। दीनानाथ ने उसके बाद फिर सुयश से बात करने की कोशिश नहीं की, लेकिन सुभावती का मन अपने बेटे में ही लगा रहता था। कभी–कभी वह दीनानाथ पर बहुत क्रोधित हो जाती और कहती कि, ' आपने ही मेरे बेटे को विदेश भेजा है, मैं कह रही थी कि सुयश को अमेरिका मत भेजिए किन्तु आप... ' और फूट–फूटकर रोने लगती। दीनानाथ अपनी वेदना छिपाकर सुभावती को बस यही समझाते कि उनका बेटा चमचमाती दुनियां में भटक गया है किन्तु उन्हें उम्मीद है कि वह एक दिन वापस जरूर आयेगा। सुभावती के पास उम्मीद करने के सिवाय और कुछ नहीं था, वह कुछ देर रोने के बाद शांत हो जाती।

आंधी, बारिश–ओला से जनजीवन अस्त–व्यस्त, दुकानों के टिनशेड उड़े

संवाददाता–देवरिया। रविवार दोपहर बाद मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। तरकुलवा क्षेत्र में मौसम ने करवट ली और तेज हवा के साथ बारिश–बर्फबारी से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। सड़क पर लगभग 6 इंच मोटी बर्फ की चादर बिछ गई। आंधी से दुकानों के छज्जे उड़ गए। दर्जनों पेड़ उखड़ कर सड़क पर गिर गए, जिससे सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और घंटों आवागमन ठप हो गया।

सड़क किनारे बनी नाली चोक हो गई। पानी पटरियों पर ओवरफ्लो होकर सड़कों के ऊपर से बहने लगा। इस दौरान पेड़ गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। दुकानदारों के दुकान में रखे सामान बर्बाद हो गए। इस नजारे को देखकर हर कोई हतप्रभ था। हर किसी के मुंह से बस एक आवाज निकल रही थी, पहले ऐसा कभी नहीं देखा था। रविवार को सुबह से आसमान में हल्के बादल छाए हुए थे। अचानक दोपहर 3:30 बजे के करीब मौसम का मिजाज बदला और बूंदाबांदी शुरू हो गई। देखते ही देखते चक्रवाती तूफान के साथ तेज करीब 40 मिनट तक तेज बारिश होने लगी। कुछ देर बाद आसमान से बर्फबारी भी शुरू हो गई। बर्फबारी इतनी तेज थी कि पल भर में सड़क पर बर्फ की मोटी चादर बिछ गई।

आंधी–पानी के बीच ओले गिरने से हर कोई अवाक रह गया। जो जहां था, वहीं जान बचाकर छिप गया। लगभग आधे घंटे तक हुई लगातार बर्फबारी से सड़क पर लगभग छह इंच बर्फ की मोटी परत जमा हो गई। तरकुलवा कस्बे के मुख्य सड़क के किनारे की नाली चोक हो गई। इससे पानी ओवरफ्लो होकर सड़क के ऊपर से बहने लगा। हवा के झोंकों से दुकान के छज्जे उड़ गए। कस्बा अन्तर्गत देवरिया–कसया मार्ग पर दर्जनों पेड़ उखड़ कर गिर गए। इससे आवागमन घंटों ठप हो गया। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे बारिश बंद होने के बाद घंटों लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। तेज आंधी के चलते दुबेटोला गांव के पास चारपहिया वाहन पर एक पेड़ उखड़ कर गिर गया, जिससे वह बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि गाड़ी खाली थी। वहीं पेड़ गिरने से एक मोटरसाइकिल का चेचिस बीच से टूट गया। इस दौरान कस्बा की दुकान में रखे लाखों रुपये के सामान बर्बाद हो गए। बारिश खुलने के बाद लोग घरों के छतों पर चढ़कर सड़क पर बिछी बर्फ की तस्वीरें मोबाइल में कैद करने लगे। पुलिस प्रशासन सड़क पर गिरे पेड़ों की डालियों और तनों को कटवाकर सड़क को खाली कराया तब जाकर घंटों बाद फिर आवागमन शुरू हो सका।

चक्रवाती तूफान के बीच तरकुलवा कस्बा के दुबेटोला गांव के समीप स्थित ओम मैरिज हाल का छज्जा उड़कर जमीन पर गिर गया। यह संयोग ही था कि उस वक्त वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, वरना बड़ी घटना हो सकती थी। इस मैरिज हाल के मालिक सतीश जायसवाल ने बताया कि इतनी उम्र में ऐसी आंधी और बर्फबारी पहले कभी नहीं देखा था। मैरिज हाल का छज्जा पूरी तरह आंधी में उड़कर जमींदोज हो गया है, जिससे लाखों रुपये की क्षति हुई है। उधर ओले गिरने और आंधी–पानी से सबसे अधिक क्षति मक्के और सब्जी की फसलों को हुआ है। बसंतपुर धूसी, सववट और कोन्हवलिया गांवों के किसानों की मक्के एवं सब्जी की खेती पूरी तरह तहस–नहस हो गई है।

मुरारी बापू ने धर्म सम्राट ज्ञान दास महाराज का लिया आशीर्वाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम के प्राणप्रतिष्ठा के बाद मणि पर्वत के तीर्थ क्षेत्र पुरम में अंतरराष्ट्रीय श्री राम कथा के प्रवक्ता मुरारी बापू ने नवदिवसीय कथा के समापन सत्र में बताया कि श्री राम कथा की अमृत मई धारा में आप जितनी बार गोते लगाओगे उतना ही आनंद आएगा प्रत्येक बार प्रभु श्री राम की चर्चा उनका गुणानुवाद आपको अलग अनुभव देगा क्योंकि तुलसी बाबा ने लिखा है हरि अनंत हरि कथा अनंता कहाय सुनहि बहुविधि सब संता। उन्होंने कहा कि मुझे भी उन्हीं की कृपा से सात बार कथा सुनने का अवसर अयोध्या में प्राप्त हुआ और पहली बार हमारे सरकार जब अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो गए तब उन्हें कथा सुनने का अवसर प्राप्त हुआ मुझे बड़भागी और कोई नहीं है। अयोध्या के नौ दिवसीय प्रवास में मुरारी बापू ने संतों से मिलकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी क्रम में कथा विश्राम की पूर्व संध्या पर हनुमानगढ़ी के धर्म सम्राट महंत ज्ञान दास से मुलाकात कर मुरारी बापू ने आशीर्वाद प्राप्त किया महाराज श्री ने अंगवस्त्र भेंटकर उनका सम्मान किया इस अवसर पर श्री महाराज जी के शिष्य संकट मोचन सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास महाराज मौजूद रहे उन्होंने बताया मुरारी बापू गुरुदेव भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया और श्री महाराज जी ने उन्हें आशीर्वाद दिए प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर और सदियों बाद प्रभु श्री राम लला उसमें विराजमान हुए यह सुखद दृश्य देखकर वह भाव विभोर हो गए और बहुत देर तक श्री महाराज जी के साथ अपना अनुभव साझा करते रहे। इस अवसर पर हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी संकट मोचन सेना के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत दास भी मौजूद रहे।

दुकान में रखी तिजोरी तालाब के किनारे ले जाकर तोड़ा

संवाददाता–बहराइच। विशेश्वरगंज इलाके के पुरैना बाजार में चोरों ने शनिवार देर रात दो दुकानों का शटर तोड़ डाला। एक दुकान से चोर थोड़ी दूर पर स्थित तालाब पर तिजोरी उठाकर ले गए। वहां तिजोरी का ताला तोड़कर सामान चोरी कर लिया। दोनों दुकानों से चोर लगभग चार लाख की सम्पत्ति चोरी कर ले गए । रविवार सुबह कारोबारियों को वारदात की जानकारी हुई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मौके पर तहकीकात की है। शिवा राव पुत्र ननके पासवान की ज्वेलरी व बर्तन की एक दुकान विशेश्वरगंज थाने के पुरैना बाजार में स्थित है। शिवा राव ने बताया कि रोज की तरह शाम को दुकान में ताला बंद करके वह अपने घर चले गए थे। शनिवार की रात चोरों ने शटर तोड़कर दुकान में रखी अलमारी 300 मीटर दूर तालाब के पास उठा ले गए। जहां उसे तोड़कर उसमें रखे करीब एक लाख के जेवर व अन्य सामान सहित डेढ़ लाख की सम्पत्ति चोर उठा ले गए। इसी बाजार में सोनाक्षी ज्वेलर्स प्रोपाइटर कमलेश सोनी पुत्र संत राम सोनी के दुकान का शटर तोड़कर 15 ग्राम सोना व दुकान में रखे चांदी समेत लगभग ढाई लाख रुपए का सामान उठा ले गए। रविवार सुबह इन दुकानों के पड़ोस के लोगों ने शटर टूटे देख दोनों दुकानदारों को सूचना देने पर घटना स्थल पर पहुंचे। दोनों पीड़ित कारोबारियों ने थाने में तहरीर दी है। एसएचओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी करने वाला शिक्षक बर्खास्त

संवाददाता–महराजगंज। जिले के निचलौल क्षेत्र के बसंतपुर प्राथमिक विद्यालय में बतौर सहायक अध्यापक तैनात मऊ जनपद निवासी राजाराम गोंड़ का जाति प्रमाण पत्र फर्जी मिला है। शनिवार को उसको बर्खास्त कर दिया गया। रकम की रिकवरी भी की जाएगी। आरोपी शिक्षक पर केस भी दर्ज कराया जाएगा। जानकारी के अनुसार, शिक्षक राजाराम गोंड़ का 28 अक्तूबर 2013 को निर्गत अनुसूचित जनजाति के प्रमाण–पत्र संख्या 62113500 0074 को तीन अप्रैल को निरस्त कर दिया गया था। इस आधार पर शिक्षक की सेवा से बर्खास्तगी हुई है। बसंतपुर प्राथमिक विद्यालय के ही एक सहायक अध्यापक विनय कुमार सिंह ने हाईकोर्ट में सहायक अध्यापक राजाराम गोंड़ निवासी दादनपुर पिड़सुई, अमिला, तहसील–घोसी जनपद मऊ के अनुसूचित जनजाति के प्रमाण–पत्र को याचिका संख्या 38714 के माध्यम से चुनौती दी थी। जनपदीय प्रमाण–पत्र सत्यापन समिति ने शिकायतकर्ता विनय कुमार सिंह व आरोपी सहायक अध्यापक राजाराम गोंड़ की ओर से उपलब्ध कराए गए साक्ष्यों के अवलोकन व परीक्षण के बाद यह पाया कि अभिलेखों में राजाराम गोंड़ के परिजनों को कहार जाति का दर्शाया गया है जो कि अन्य पिछड़ा वर्ग में आता है। साक्ष्यों के आधार पर समिति ने आरोपित सहायक अध्यापक राजाराम गोंड़ व रामप्रवेश गोंड़ पुत्रगण मोतीचंद के पक्ष में जारी अनुसूचित जनजाति के प्रमाण–पत्र को इस श्रेणी के अंतर्गत न पाए जाने के कारण निरस्त करते हुए शिकायतकर्ता की शिकायत को निस्तारित कर दिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार गुप्ता ने बताया कि शिक्षक अगस्त 2014 में नियुक्त हुआ था। उसे बर्खास्त करते हुए रिकवरी की जाएगी। केस भी दर्ज कराया जाएगा।

पड़ोस की भाभी ने काटा हंगामा नहीं गई बारात, दुल्हनिया करती रही इंतजार, परिवार के लोग रह गए सन्न

संवाददाता–गोण्डा। एक युवक को पड़ोस की भाभी से प्यार हो गया। दोनों ने परिवार और समाज से छुपा कर इकरारनामा कर लिया। युवक की शादी तय हो गई। जिस दिन बरात जानी थी। उस दिन भाभी ने हंगामा खड़ा कर दिया। थाने पहुंचकर उसने पुलिस से फरियाद लगाई। जमकर बवाल हुआ। बरात नहीं गई। होने वाली दुल्हनिया इंतजार करती रही। परिवार के लोगों को जब यह माजरा पता चला तो वह लोग सन्न रह गए।

गोंडा जिले के पड़ोस की भौजाई से इकरारनामा कर मंदिर में ब्याह रचा कर घर वालों से रिश्ते छुपा कर रखना युवक को महंगा पड़ गया। घर वालों ने जब शादी तय कर दी तो पड़ोस में रहने वाली पत्नी ने पुलिस का दरवाजा खटखटाया। पति नई दुल्हन लाने के लिए बारात लेकर निकलने वाला था। लेकिन बीवी की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। नवाबगंज थाना क्षेत्र के एक युवती का विवाह 15 वर्ष पूर्व हुआ था।

5 साल बाद उसको एक बच्चे का जन्म हुआ। कुछ दिन बाद पति की मौत हो गई। इसी दौरान युवती का पड़ोस के देवर से संपर्क हो गया। जिसके बाद दोनों ने स्वेच्छा से उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र के उत्तरी भवानी मंदिर में ईश्वर को साक्षी मानकर ब्याह रचाया। एक सप्ताह बाद उसको गोंडा में सक्षम अधिकारी के सामने पेश होकर राजी नामा के तहत रजिस्टर्ड ब्याह किया। लेकिन यह बात लड़के ने अपने परिजनों से छुपा कर रखी थी। इसलिए घर वाले लड़के का विवाह करने की उम्मीद लगाए हुए थे। इसी दौरान थाना क्षेत्र के एक गांव से रिश्ता आया। जिसको घर वालों ने मंजूर कर लिया। शनिवार को विवाहिता के पति को बारात लेकर नई दुल्हन लाने जाना था। बारात सजने से पहले ही पड़ोस में रहने वाली पत्नी थाने पर पहुंच गई। पुलिस में पहुंचकर पत्नी ने अपने पति का दूसरा विवाह रोकने की गुहार लगाई। मामले में पुलिस ने विवाहिता के शिकायती पत्र पर आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में विवाहिता ने कहा है कि नवाबगंज थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव के रहने वाले सुनील यादव पुत्र सुरेमन से उसका विवाह हुआ था। दोनों पति–पत्नी की तरह रह रहे थे। शादी में दहेज न देने के कारण मारते पीटे हुए प्रताड़ित करते थे। शनिवार को थाना क्षेत्र के एक गांव में किसी से शादी करने जा रहे हैं। अपने मायके में किसी तरह से गुजर बसर कर रही हूं।

इस संबंध में नवाबगंज थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार राय ने दूरभाष पर बताया कि महिला के शिकायती पत्र पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बरात नहीं आने के मामले में वधू पक्ष के परिजन भी अवगत हैं। आरोपों की जांच पड़ताल की जा रही है।

पीएम मोदी के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्र के बेटे साकेत मिश्र को श्रावस्ती से टिकट

संवाददाता–श्रावस्ती। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव के उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने पहली सूची में 251 नाम की घोषणा की है। जिसमें उत्तर प्रदेश से 51 उम्मीदवार शामिल है। वहीं देवीपाटन मंडल की दो सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया गया है। इनमें श्रावस्ती लोकसभा सीट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्व प्रधान सचिव और राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा के बेटे साकेत मिश्रा को प्रत्याशी बनाया गया है। जबकी गोंडा लोकसभा सीट से बीजेपी ने सांसद कीर्ति वर्धन सिंह पर तीसरी बार भरोसा जताया है। बीजेपी ने यूपी की 51 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा होने के बाद लोकसभा चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है। श्रावस्ती लोकसभा सीट से बीजेपी ने साकेत मिश्रा को घोषित किया प्रत्याशी है। साकेत मिश्र राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्र के पुत्र हैं। वह पूर्वांचल विकास बोर्ड के सलाहकार भी हैं। बीजेपी ने देवीपाटन मंडल की श्रावस्ती लोकसभा सीट से साकेत मिश्रा को टिकट देकर मंडल की अन्य तीन सीटों पर भी निशाना साधा है। साकेत मिश्र मूल रूप से देवरिया के कसिली गांव के रहने वाले हैं। उनका ननिहाल श्रावस्ती में पड़ता है। इसलिए उन्होंने श्रावस्ती को अपना राजनीतिक कर्मभूमि चुना है। पिछले कई सालों से वह श्रावस्ती लोकसभा क्षेत्र में बराबर जनता के बीच में रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करते रहे हैं। साकेत मिश्रा वर्तमान में पूर्वांचल विकास बोर्ड के सलाहकार भी हैं। वहीं गोंडा लोकसभा सीट से बीजेपी ने तीसरी बार कीर्ति वर्धन सिंह उर्फ राजा भैया को अपना प्रत्याशी बनाया है। देवीपाटन मंडल की दो सीटों पर नाम की घोषणा होने के बाद बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह के कैसरगंज सीट को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। साकेत मिश्रा ने दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से इकोनॉमिक्स की पढ़ाई की। उसके बाद उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (प्ब्) कोलकाता से मैनेजमेंट की डिग्री हासिल किया। इसके बाद साकेत मिश्रा ने भी सिविल सेवा की परीक्षा दी। और 1994 में प्ै बने। लेकिन फाइनेंस सेक्टर में गहन रुचि होने के कारण बाद में उन्होंने इस्तीफा देकर फिर से फाइनेंस सेक्टर में लौटने का इरादा किया। साकेत मिश्रा ने कई बैंकों में उच्च पदों पर काम किया।

श्रद्धालु की पहाड़ से गिरकर मौत, महिला लापता

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल राष्ट्र के नवल परासी में स्थित मदार स्थान मेले में गए एक भारतीय श्रद्धालु की पहाड़ से गिरकर मौत हो गई जबकि पहाड़ से गिरी एक महिला लापता है। जानकारी के अनुसार, भारत के कुशीनगर जनपद के नौरंगिया निवासी 50 वर्षीय पंकज कुशवाहा नेपाल में स्थित मदार मेला देखने गए थे। जहां पहाड़ पर चढ़ाई के दौरान त्रिवेणी ग्रामीण नगर पालिका बड़ा नंबर 6 नागदंडा नवलपुर में भीड़ के चलते पहाड़ से नीचे गिर गए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई, जबकि एक महिला लापता है। जिला पुलिस कार्यालय नवलपुर प्रहरी निरीक्षक देवराज छिमिरे ने बताया कि मृतक पंकज कुमार कुशवाहा के शव को पोस्टमार्टम के लिए मध्यविंदु जिला अस्पताल डंडा लाया गया है।

लापता महिला की तलाश जारी है। नेपाल नवलपरासी जिले के महलबारी से नौ किलोमीटर ऊंचे पहाड़ों पर स्थित बदीउद्दीन मदार बाबा का मजार है, जो हिंदू मुस्लिम आस्था का केंद्र है। हर साल यहां एक सप्ताह मेला लगता है। इसमें नेपाल, भारत, बिहार से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

नेपाल से बाइक पर कबाड़ लाते चार गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। इंडो नेपाल बॉर्डर पर तैनात 22वीं वाहिनी एसएसबी के जवानों की स्पेशल टीम ने रविवार को कोतवाली क्षेत्र के चंदन नदी के पास से चार बाइक पर लदा कबाड़ बरामद किया है। जिसे विधिक कार्रवाई के लिए कस्टम ठूठीबारी के सुपुर्द कर दिया गया। बीओपी इंचार्ज अजय हुड्डा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भरवलिया के पास चंदन नदी से चार बाइक पर पांच क्विंटल 90 किग्रा एल्युमिनियम स्क्रैप के साथ चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कबाड़ के साथ पकड़े गए आरोपियों की पहचान बरगदवा थाना क्षेत्र के गनेशपुर निवासी राजकुमार यादव, श्रवण कुमार केवट, रमजान शेख, विश्वास पासवान निवासी बोदना कोतवाली ठूठीबारी के रूप में हुई। कबाड़ नेपाल से भारतीय सीमा क्षेत्र में लाया जा रही थी।

हार्टअटैक से परिषदीय विद्यालय के हेडमास्टर की मौत

संवाददाता–देवरिया। गौरीबाजार के परिषदीय स्कूल कटाई के हेडमास्टर की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। हेडमास्टर की मौत से शिक्षकों में शोक की लहर दौड़ गई।

परशोतिमा निवासी अशोक कुमार सिंह (58) वर्ष पुत्र शिवशंकर सिंह गौरीबाजार के प्राथमिक विद्यालय कटाई के प्रधानाध्यापक थे। रविवार सुबह सो कर उठे और चाय बनाने के लिए किचेन में पहुंचे थे, तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई। हालत बिगड़ने पर परिवार के लोग उन्हें लेकर सीएचसी पहुंचे। सीएचसी से रेफर होने पर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान शिक्षक की हार्टअटैक से मौत हो गई।

अशोक सिंह के एक पुत्र अमित व दो पुत्रियां हैं। शिक्षक के मौत पर शिक्षकों में शोक की लहर दौड़ गई।

कॉलेज में 274 छात्र–छात्राओं को बांटे स्मार्टफोन

संवाददाता–गोण्डा। चन्द्रशेखर शुक्ल श्यामराजी पीजी कालेज में रविवार को 274 छात्र–छात्राओं को स्मार्टफोन का वितरण किया गया। नोडल अधिकारी व प्राचार्य डॉ. श्रीनिवास द्विवेदी और प्रबंधक नित्यानंद शुक्ला ने कहा कि कहा कि मोबाइल के माध्यम से अच्छी जानकारियां हासिल करें और आगे बढ़ें। इस अवसर पर कुमकुम मिश्रा, वीरेंद्र पांडे, अभिमन्यु शुक्ला, जगदंबा प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में नन्हे–मुन्नों ने मनवाया प्रतिभा का लोहा

संवाददाता–बलरामपुर। सेंट जॉर्ज कान्वेंट स्कूल धुसाह में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समारोह के मुख्य अतिथि सदर विधायक पल्टूराम व तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। विद्यालय प्रबंधक जीडी पांडेय एवं प्रधानाचार्य रजनी करसेरा ने अतिथियों का स्वागत स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षा के बगैर इंसान कुछ नहीं है। ऐसे में बच्चों की बुनियादी शिक्षा मजबूत होनी चाहिए। विद्यालय के नन्हे मुन्नों ने विज्ञान के मनमोहक मॉडल प्रदर्शनी के साथ प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुझे माफ करना, मैं निकला गड्डी लेकर, यह देश है वीर जवानों का, नन्हा मुन्ना राही हूं आदि मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर छात्रों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एकांकी नाटक में एसिड अटैक, कृष्ण सुदामा, महाभारत जैसे कार्यक्रम प्रस्तुत कर विद्यालय के बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई।

553 बच्चों को मनपसंद स्कूल में दाखिले की सौगात मिली

संवाददाता–महराजगंज। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को मनपसंद स्कूल में दाखिला दिलाने की कवायद परवान चढ़ रही है। पिछले दिनों हुई लॉटरी में 93 बच्चों को यह सौगात मिली है। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से आरटीई के तहत बच्चों को दाखिला दिलाने के लिए लगातार प्रचार–प्रसार किया जा रहा है।

26 फरवरी को मुख्यालय में हुई ऑनलाइन लाटरी में 553 छात्रों के आवेदनों को शामिल किया गया। इसमें 276 आवेदन मानक पूरा नहीं होने के कारण अस्वीकृत हो गए। 553 बच्चों को मनपसंद स्कूल में दाखिले की सौगात मिली। वहीं इस योजना के तहत एक और मौका भी दिया गया है। 30 मार्च तक फिर से आरटीई के तहत मनपसंद स्कूल में दाखिले को लेकर आवेदन करने की छूट दी गई है। इसके बाद लॉटरी निकाली जाएगी। दूसरे चरण को लेकर लगातार शहर से लेकर ग्रामीण स्तर पर प्रचार–प्रसार जारी है। पहले चरण में जिन छात्रों का नाम लिस्ट में है, वे पसंदीदा स्कूल में दाखिला ले सकते हैं। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से इसका ध्यान रखा जा रहा है कि छात्रों को दाखिले में कोई परेशानी न हो। संबंधित स्कूलों को भी विभाग की ओर से पूरी गाइड लाइन के बारे में अवगत करा दिया गया है।

रूक–रूक कर हुई बारिश से लौटी सर्दी, गेहूं की फसल को फायदा

संवाददाता–महराजगंज। रात से शुरू हुई बारिश रविवार को रुक–रुककर होती रही। हवा के चलते कहीं–कहीं गेहूं की फसल झुक गई है। ज्यादातर स्थानों पर फसल ठीक है। बारिश से गेहूं की फसल को फायदा हुआ है। अधिकतम तापमान में भी 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को भी बादल छाए रहेंगे। बूंदाबांदी की संभावना है। मौसम विशेषज्ञ कैलाश पांडेय ने बताया कि शनिवार रात से रविवार सुबह तक 2.2 एमएम बारिश हुई। जबकि 11 से 13 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चली। रविवार को अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि, शुक्रवार को अधिकतम तापमान शनिवार 28.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहा। शनिवार के मुकाबले रविवार को अधिकतम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान में 8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक सोमवार को बादल छाए रहने के साथ बूंदाबांदी की संभावना है। कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक गेहूं की फसल के लिए बारिश लाभदायक है। जिले में एक लाख 47 हजार 904 हेक्टेयर गेहूं की बुआई हुई है। रबी की फसल एक लाख 73 हजार 754 हेक्टेयर में बोई गई है। इनमें 25 हेक्टेयर में जौ, 7400 हेक्टेयर में तोरिया, 5 हेक्टेयर में चना, 1875 हेक्टेयर में मटर, 12647 हेक्टेयर मसूर की बुआई की गई है। मौसम में नमी की वजह से गलन बढ़ गई है।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. बी चंद्रन ने बताया कि हवा के साथ बारिश होने की वजह से जिस गेहूं के खेत में पहले से सिंचाई हो चुकी थी, वहां नमी की वजह से फसल गिर गई। वहीं, सरसों की फसल के फूल गिर गए। सरसों की पकी फसल के भी खराब होने की संभावना है। जिन लोगों ने सरसों की फसल काटकर खेतों में डाल रखी थी, वह भी भीगने से खराब हो सकती है। खेत में नमी होने की वजह से कुछ दिन के लिए आलू की खोदाई पर असर पड़ेगा। सब्जियों के लिए बारिश फायदेमंद है। खासकर जो सब्जियां अभी बोई गई हैं। इसमें भिंडी, खीरा, तरबूज, खरबूज, तोरई और लौकी आदि की फसलों के लिए काफी फायदेमंद है।

महायज्ञ में श्रीमद् भागवत कथा सुन मंत्र मुक्त हुए लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या धाम। यज्ञ सम्राट महामण्डलेश्वर स्वामी प्रखर महाराज के पावन सानिध्य एवं श्रीमज्जगद्गुरु रामानुजाचार्य डॉ० स्वामी राघवाचार्य महाराज के संयोजकत्व में विश्वकल्याणार्थ, सरयू जी के तट गोला घाट पर चल रहे श्री लक्षचण्डी महायज्ञ, श्री लक्षगणपति महायज्ञ एवं श्रीराम यज्ञ में 1700 विद्वान ब्राह्मणों द्वारा पाठशालाओं में एक लाख दुर्गासप्तशती पाठ एवं एक लाख गणपत्यथर्वशीर्ष पाठों का कम जारी है। महायज्ञ की 100 कुण्डीय यज्ञशाला में देश–विदेश से सम्मिलित 100 यजमानों द्वारा पूजन एवं हवन कुण्ड में आहुतियाँ भी प्रदान की जा रही है। इस महायज्ञ की पाठशाला में हो रहे एक लाख दुर्गासप्तशती पाठों के दशांश अर्थात् दस हजार पाठों से हवन कुण्ड में आहुतियाँ दी जाएंगी। महायज्ञ के ज्ञान मण्डपम् में आज प्रातः के समय चतुर्वेद सम्मेलन एवं सायंकाल के समय वृन्दावन से पधारे विश्वप्रसिद्ध कथाव्यास श्री कृष्ण चन्द्र शास्त्री ठाकुर जी महाराज के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत कथा सुनकर मंत्र मुक्त हो रहे हैं लोग।

आज चतुर्वेद सम्मेलन का शुभारम्भ, काशी से पधारे पूज्य अन्नपूर्णा

प्रसाद जी ने गणत्यथर्वशीर्ष पाठ के द्वारा गणपति वन्दना के माध्यम से किया। उसके उपरान्त पूज्य मंगेश पुराणिक जी के द्वारा ऋग्वेद की सांकल शाखा का श्रवण करवाया गया। शारदा श्रृंगेरी पीठ से पधारे आचार्य शिवकुमार शास्त्री जी के द्वारा कृष्ण यजुर्वेद की तैत्तरीय शाखा का श्रवण करवाया गया। उसके उपरान्त काशी से पधारे आचार्य सुनील दीक्षित जी, श्री अनुपम दीक्षित जी, श्री सौरभ जी एवं श्री मृत्युंजय प्रसाद तिवारी जी के द्वारा शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दनी शाखा का श्रवण करवाया गया। आचार्य श्री सुनील दीक्षित जी ने विगत 22 जनवरी को सम्पन्न हुए, अयोध्या धाम के श्रीरामजन्म भूमि मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम भी सम्पन्न कराया है।

इस अवसर पर राजेश अग्रवाल, दर्शन गुप्ता, प्रवीन नेमानी, सुनील नेमानी, विकास मित्तल, आंचल मित्तल, गौरव मित्तल, डॉ० जी०सी० पाठक, अनिल अरोड़ा, श्रीमती सुषमा अग्रवाल, श्रीमती निरुपमा अग्रवाल, श्रीमती आशा कानोडिया, श्रीमती शालिनी बगड़िया, उत्तम बगड़िया, विजय कानोडिया, डूंगर सिंह राठौर, रघुनाथ सिंह, अनिल गर्ग, किरण गर्ग, राजकुमार जिन्दल, राघवेन्द्र मिश्र, सिब्बू मिश्र, इन्दु शुक्ला, राजीव तिवारी, नीति तिवारी, दिनेश मिश्रा, सीताराम बडोनी, गौरीशंकर भारद्वाज, प्रेमराम चौधरी आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

गेहूं–गन्ना को पहुंचा लाभ तो सरसो व आलू को हुआ नुकसान

संवाददाता–बलरामपुर। दो दिनों से रुक–रुककर हो रही वर्षा का फसलों पर मिला जुला असर पड़ा है। गेहूं व गन्ना फसल को लाभ तो आलू तथा सरसो फसल पर वर्षा का दुष्प्रभाव पड़ा है। तेज हवा चलने व ओलावृष्टि होने पर गेहूं तथा गन्ना फसल को क्षति पहुंचना तय है। वर्षा से मौसम का तापमान कम हुआ है। पेड़ व पोल टूटकर गिरने की सूचना नहीं मिली है, लेकिन लगभग 100 गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित है। नगर व शहर की गलियों में कीचड़ फैला है। ग्रामीण क्षेत्र के हॉट बाजारों में जल निकास व्यवस्था दुरुस्त न होने से जलभराव है। जिले में पिछले दो दिनों से रुक–रुककर वर्षा हो रही है। दो दिनों के बीच 15 एमएम वर्षा रिकार्ड की गई। वर्षा का फसलों पर मिलाजुला असर पड़ा है। गेहूं की अधपकी फसल को पानी से लाभ पहुंचा है। फसल पकने में अभी 20 दिन की देरी है। यदि जमीन गीली रह गई तो गेहूं कटाई पिछड़ सकती है। गन्ना फसल को भी वर्षा से फायदा पहुंचा है। बसंत कालीन गन्ने की बुवाई प्रभावित हुई है। जिन खेतों का गन्ना कट चुका है अब उनकी जुताई आसान होगी और किसानों को सिंचाई से मुक्ति मिली है। लगभग 60 प्रतिशत किसान सरसो फसल काट चुके हैं। 40 प्रतिशत किसानों को सरसो फसल को लेकर वर्षा से नुकसान उठाना पड़ा है। खेत में लगी पक चुकी सरसो फसल के दाने झड़े हैं। पीले सरसो फसल को काटने में अभी 20 दिन का समय शेष है। वर्षा से पीले सरसो फसल को नुकसान पहुंचा है। सादुल्लाह नगर व रेहरा बाजार क्षेत्र सरसो उत्पादन को लेकर अच्छा माना जाता है। वहां फसल पिछड़ी हुई है। कुछ किसानों ने फसल काटकर खलिहान में रखा था, जो पूरी तरह भीग गई है। फफूंद लगने की संभावना है। वहीं असमय हुई वर्षा ने आलू किसानों को निराश किया है। यूं तो जिले में आलू का उत्पादन कम होता है, लेकिन वर्षा से लगभग 150 हेक्टेयर आलू फसल खराब हुई है। किसान लालचन्द्र ने बताया कि इस बार उन्होंने 10 एकड़ आलू की खेती की थी। वर्षा के कारण खेत गीला हो गया है, फसल के सड़ने की संभावना बढ़ गई है। कहीं भी पेड़ अथवा बिजली पोल टूटने की सूचना नहीं है। महराजगंज तराई क्षेत्र में शिवचरन डीह, साहब नगर, जहानडीह, बरदहवा सहित 25 गांव में शनिवार रात से ही बिजली गुल है। इसी तरह हर्रैया सतघरवा ब्लाक के ठठहरिया सहित 15 गांव में बिजली न होने की बात कही जा रही है। बलरामपुर सदर ब्लाक के जबदही, जबदह, रघवापुर आदि गांव में शनिवार शाम से बिजली गुल है। तुलसीपुर, गैसड़ी, पचपेड़वा, गौरा चौराहा, श्रीदत्तगंज, उतरौला, रेहरा बाजार, गैंड़ास बुजुर्ग व सादुल्लाह नगर क्षेत्र मिलाकर लगभग 100 गांव में अंधेरा छाया रहा। अधिशासी अभियंता बाल कृष्ण ने बताया कि वर्षा के कारण तकनीकी दिक्कत होने पर बिजली कट सकती है। लाइनमैन को भेजकर सभी जगहों की आपूर्ति बहाल कराई जा रही है। वर्षा के कारण शहर व गांव की गलियां कीचड़ से सनी पड़ी हैं।

पिछली सरकारों में लोगों को गुंडे-माफिया तबाह करते थे, अब ऐसा नहीं है -मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर के ताल नदोर में पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। 80 एकड़ में बनने वाले इस महाविद्यालय के निर्माण पर करीब 350 करोड़ रुपये की लागत आएगी। भूमि पूजन एवं शिलान्यास के अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि जब अच्छी सरकार होती है तो वह जनता जनार्दन को सिर–माथे पर बैठाकर सेवा करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार ऐसी ही है। इस सरकार में विकास है तो गरीब कल्याण भी। इसमें सुरक्षा, आजीविका, आस्था के सम्मान के साथ समृद्धि भी है।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि का पूजन तथा बटन दबाकर शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकारों में लोगों को गुंडे–माफिया तबाह करते थे। योजनाओं का लाभ चंद लोगों को मिलता था और बाकी पब्लिक देखती रह जाती थी।

आज डबल इंजन सरकार में ऐसा नहीं है। हर किसी को योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में आज के नए भारत की ताकत का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। ऐसी सरकार कभी नहीं आई। इस समझ को बनाए रखना है और लोकसभा चुनाव में फिर एक बार मोदी सरकार तथा अबकी बार चार सौ पार के नारे को साकार करना है।

सीएम योगी ने लोगों को यह भरोसा दिलाया कि ताल नदोर में बनने वाला पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय भविष्य में विश्वविद्यालय बना दिया जाएगा। तब गोरखपुर में पांच विश्वविद्यालय हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस महाविद्यालय में पशुओं के इलाज के साथ नस्ल सुधार के कार्य भी होंगे।

यहां फिशरीज से जुड़े कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाया जाएगा। यहां पढ़ाई कर युवा पशु चिकित्सक बन सकेंगे, उनके पास करियर बनाने का नया प्लेटफार्म होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस महाविद्यालय की ड्राइंग श्रावस्ती के राजा शालिहोत्र की परिकल्पना पर डिजाइन की गई है। राजा शालिहोत्र ने तीसरी सदी में शालिहोत्र संहिता रचकर पशुधन के क्षेत्र को समृद्ध किया। 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लंबे समय तक पिछड़े रहे दक्षिणांचल को डबल इंजन की सरकार विकास की नई रफ्तार के साथ आगे बढ़ा रही है। वाराणसी फोरलेन और पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के साथ जल्द ही इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बनाया जाएगा। महाविद्यालय के पास नगर निगम 50 एकड़ में गोशाला बनवाने जा रहा है। गोरखपुर के विकास की चर्चा करते हुए सीएम ने कहा कि जो खाद कारखाना कांग्रेस सरकार में बंद हो गया था, उसे मोदी सरकार ने शुरू कर दिया। गोरखपुर में एम्स बन गया है। लिंक एक्सप्रेस वे चालू होने वाला है। गीडा में बड़े पैमाने पर उद्योग लगने से पांच हजार युवाओं को यहीं रोजगार मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने अयोध्या में प्रभु रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उल्लेख करते हुए लोगों से सवाल किया कि क्या सपा–बसपा की सरकार अयोध्या में मंदिर बनवा पातीं? लोगों ने समवेत जवाब दिया–नहीं। इस ओर मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले अयोध्या में रामभक्तों पर गोली चलती थी, आज पलक पांवड़े बिछाकर उनका स्वागत होता है। लंगर चल रहे हैं। भगवान का आशीर्वाद भी मिल रहा है और प्रसाद भी। सीएम योगी ने लोकसभा चुनाव में गोरखपुर से घोषित प्रत्याशी, सांसद रविकिशन शुक्ल के पक्ष में समर्थन की अपील करते हुए कहा कि हर कार्यकर्ता रविकिशन बनकर घर घर जाएगा और वोट मांगेगा। कार्यक्रम को संबोधित करने से पूर्व सीएम ने पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के मॉडल का भी अवलोकन किया।

पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के शिलान्यास समारोह में पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि पशुधन के क्षेत्र में सीएम योगी की प्रेरणा से अनेक महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। पशुपालकों के लिए नंदिनी कृषक योजना लागू की गई है। ऐसी प्रविधि के लिए पशुपालकों को प्रेरित किया जा रहा है जिससे दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो। गोरखपुर के इस पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के बन जाने के बाद यहां देशभर के पशु चिकित्सकों की ट्रेनिंग भी होगी। कार्यक्रम के मंच से सीएम योगी ने मुख्यमंत्री स्वदेशी गोसंवर्धन योजना, नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

सीएम योगी ने अधिकारियों को किया निर्देशित, हर पात्र व्यक्ति को दिलाएं पीएम–सीएम आवास योजना का लाभ

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर प्रवास के दौरान गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिन पात्र व्यक्तियों को पक्का मकान नहीं मिल पाया है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के दायरे में लाकर पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। कोई भी गरीब बेघर नहीं रहना चाहिए। रविवार की सुबह हल्की बारिश होने के कारण लोगों की सहूलियत के लिए इस बार जनता दर्शन का आयोजन मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में किया गया। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम खुद पहुंचे और एक एक करके सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 500 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की थी। इस दौरान एक महिला ने आवास की समस्या बताई।

इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला की समस्या को संवेदनशीलता से देखें। पात्रता के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराया जाए। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को सीएम योगी ने भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी इलाज नहीं रुकने पाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस्टीमेट की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। शासन से इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ आए नन्हे मुन्ने बच्चों को दुलारकर मुख्यमंत्री ने उन्हें चॉकलेट गिफ्ट किया और खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया। जनता दर्शन के दौरान रविवार को सीएम योगी ने छोटे बच्चों के टाफी देकर दुलार भी किया।

पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले से जुड़े तीन और आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक कराने के मामले से जुड़े तीन और आरोपित को इटवा पुलिस ने रविवार को पचपेड़वा तिराहे से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके पास से मोबाइल, एटीएम कार्ड आदि बरामद किया है। पकड़े गए तीनों आरोपित बिहार के रहने वाले हैं। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान 17 व 18 फरवरी को इटवा समेत जिलेभर में 10 सॉल्वर, अभ्यर्थी व मीडिएटर पकड़े गए थे। मामले में केस दर्ज करने के बाद से पुलिस टीम सॉल्वर गैंग के गुर्गों के धरपकड़ में जुटी हुई है। रविवार को भी इटवा पुलिस ने इसी मामले से जुड़े तीन और आरोपितों को पचपेड़वा तिराहे से गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि पूछताछ में पकड़े गए आरोपितों ने अपना नाम नीरज कुमार शर्मा पुत्र लल्लन शर्मा निवासी झखरा थाना जगदीशपुर पश्चिम चम्पारन जिला पश्चिम चम्पारण बिहार, अमित कुमार पुत्र भरत राय निवासी डोरीगंज वशुनपुरा थाना मुफ्फसिल जिला छपरा बिहार, राहुल सिंह पुत्र विजय सिंह निवसी बबुरा थाना बरहरा जिला भोजपुर आरा बिहार बताया है। आरोपितों के पास से पुलिस ने चार मोबाइल, एटीएम कार्ड, एक डायरी, मेट्रोरेल कार्ड, लायल्टी कार्ड, रजिस्ट्रेशन कार्ड, रेलवे टिकट आदि बरामद हुआ है। आरोपितों को पकड़ने वाली पुलिस टीम में उनके साथ एसआई सर्वेश चन्द, रामाकांत सरोज, हेड कांस्टेबल सत्य प्रकाश गौतम, कांस्टेबल मनीष यादव, विनोद साव शामिल रहे।

आदर्श नगर पंचायत बनकटी मे विकास कार्यों के लोकार्पण में सांसद ने गिनाई उपलब्धियाँ

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। आदर्श नगर पंचायत बनकटी कार्यालय पर मुख्य अतिथि बस्ती सांसद हरीश द्विवेदी ने सरकार की उपलब्धियाँ गिनाते हुए 770.96 लाख की लागत से निर्मित 68 परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। जिसमें मुख्य रूप से महादेवा विधायक दूधराम , अध्यक्ष प्रतिनिधि वरिष्ठ भाजपा नेता इंजीनियर अरविंद पाल , अध्यक्ष नगर पंचायत बनकटी उर्मिला देवी, जिला पंचायत सदस्य बनकटी सुरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रघुनाथ सिंह ,वरिष्ठ भाजपा नेता इंजीनियर राधे श्याम पांडे ,समासदगण में बाबूराम चौधरी , नवीन पाल , संजु चौधरी , विनय पांडे , साधुशरण कनौजिया , सुभाष शर्मा, ऋषिराज मुनि , लवकुश , वशीम भाई , दिनेश चौधरी , सावित्री देवी, कौशल चौधरी , ब्रजमोहन , हाफिज भाई, श्याम सुंदर चौधरी ,, प्रधान संघ अध्यक्ष रवि चंद्र पांडेय , अश्वनी उपाध्याय के साथ बड़ी संख्या में नगर पंचायत बनकटी के अलग–अलग वार्डों एवं ग्राम पंचायतो के लोग मौजूद रहे।

निर्माणाधीन नाले की दीवाल ढ़ही, तीन घायल एक की हालत गंभीर

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर स्थित पैडलेगंज में निर्माणाधीन नाले की दीवाल गिरने से तीन लोग घायल हो गए हैं। इनमें एक गंभीर रुप से घायल बताया जा रहा। सभी को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पैडलेगंज से फिराक गोरखपुर चौराहे तक सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है। अभी पिछले महीने ऐसे ही निर्माण के दौरान कार्यदाई संस्था की तरफ से गड्ढे की खोदाई की जा रही थी। इसी बीच जलकल की पाइप टूट गई। इससे एक हजार घरों में पेयजल आपूर्ति का संकट हो गया था। करीब 24 घंटे के बाद पाइप को दुरुस्त कर आपूर्ति शुरू की गई थी।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का हुआ शुभारंभ– डीएम ने एक्स पर किया ट्वीट

संवाददाता–संतकबीरनगर। भारत सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं के लिए पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का शुभारंभ किया है। इस योजना में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सोलर रुफटाप प्लांट लगवाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार ने स्वीकृत भार के अनुसार अनुदान धनराशि दी जाएगी। इसका लाभ शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को मिलेगा। इसी तरह अन्य भार के अनुसार अनुदान देय होगा। एक्सईएन रणधीर कुमार ने बताया कि घरेलू उपभोक्ता ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। सोलर रुफटाप प्लांट स्थापित होने के बाद उपभोक्ता को मासिक बिजली देयों में भारी बचत होगी। वहीं बिजली निगम के सब्सिडी पर पड़ने वाला भार भी कम होगा। साथ ही और अधिक बेहतर बिजली आपूर्ति प्रदान किया जाना संभव हो सकेगा। डीएम संत कबीर नगर महेंद्र सिंह तंवर ने डीएम के एक्स प्रोफाइल से एक दिन पहले इस योजना की जानकारी साझा करते हुए शेयर किया। रविवार को अपने निजी एक्स प्रोफाइल से भी इसे शेयर किया। उन्होंने बताया कि इसके योजना है कि अधिक से अधिक लोग अपने घरों में इस योजना के तहत सोलराइज व्यवस्था को शुरू करवाएं। एक बार इससे जुड़ने पर इसके फायदे भी समझ आएंगे।

अस्पताल और विद्यावलय में जल रही थी घरेलू बिजली, दोषी मिलने पर इन सभी पर हुई कार्रवाई

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा बिजली खंड क्षेत्र में एक निजी अस्पताल और विद्यावलय में घरेलू बिजली उपभोग की जा रही थी। चेयरमैन ने करवाई जांच, मिले दोषी। अधिशासी अभियंता और दो तकनीकी कर्मी निलंबित, दो एसडीओ को कारण बताओ नोटिस, जबकि दो अवर अभियंताओं को चार्जशीट जारी की गई। गोरखपुर स्थित चौरीचौरा खंडक्षेत्र के एक अस्पताल और हैप्पी मार्डन स्कूल में घरेलो बिजली कनेक्शन से बिजली प्रयोग होने की जांच में दोषी पाए जाने पर अभियंताओं पर कार्रवाई हुई है। अधिशासी अभियंता चौरीचौरा मनीष झा एक दिन पहले ही निलंबित कर दिए गए। दो एसडीओ को कारण बताओ नोटिस, दो अवर अभियंता को चार्जशीट और दो तककनीकी कर्मियों को भी निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा बिलिंग कंपनी क्वैश क्रोप के दो मीटर रीडरों को हटाए जाने का निर्देश जारी किया गया। दरअसल, पॉवर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ आशीष कुमार गोयल ने दोनों परिसर की जांच का निर्देश दिया था। इसपर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी शंभू कुमार ने 26 फरवरी को वाराणसी के अभियंताओं और आजमगढ़ की विजिलेंस टीम ने चौरी चौरा खंड क्षेत्र में छापेमारी करवाई। यहां प्रीती हास्पिटल और हैप्पी मार्डन स्कूल में घरेलू कनेक्शन पर बिजली का उपभोग मिला था। टीम ने इसकी रिपोर्ट प्रबंध निदेशक और चेयरमैन को भेजी थी।

बारिश के साथ पड़े ओले, फसलों को काफी नुकसान की आशंका

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में पश्चिमी विक्षोभ के चलते रविवार को झमाझम बारिश हुई। सेमरियावां के टेमा रहमत व कांटे के आसपास के क्षेत्र में ओलावृष्टि हुई। इससे जनजीवन पूरी तरीके से अस्त व्यस्त हो गया। भारी बरसात होने की वजह से फसलों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। हवाओं के चलने से फसलें गिर गई हैं। गलियों में कीचड़ फैल गया है।

पिछले दो दिनों से मौसम का मिजाज बन–बिगड़ रहा है। मौसम में लगातार उतार–चढ़ाव के चलते जनजीवन प्रभावित हो रहा है। शनिवार की शाम से ही बूंदाबादी का सिलसिला शुरू हुआ। देर रात हल्की बारिश हुई। रविवार की सुबह से ही आसमान में बादलों की आवाजाही लगी रही। दिन में लगभग 11 बजे हल्की बारिश हुई। थोड़ी देर बाद

बारिश बंद हो गई। दोपहर बाद लगभग 3:00 बजे के बाद बूंदाबांदी का सिलसिला शुरू हुआ। लगभग साढ़े तीन बजे से भारी बरसात शुरू हो गई। इसकी वजह से जो जहां रहा वहीं ठहर गया। खेत खलिहान मैदान में पानी भर गया। नालियां होने की वजह से सड़कों पर भी पानी उतराता नजर आया। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग बाजार नहीं जा पाए इसकी वजह से लोगों के घरों में समय से सब्जियां भी नहीं पहुंच पाई। शादी ब्याह का मौसम होने की वजह से लोगों के जरूरी कामकाज भी प्रभावित हुए। रविवार को जिस प्रकार से बरसात हुई है ऐसा लग रहा था कि सावन का महीना आ गया है। भारी बरसात होने की वजह से एक बार फिर ठंडक ने दस्तक दे दी।

पुरानी सब्जी मंडी शहर से जाएगी बाहर, मिलेगी जाम से राहत

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर शहर से पुरानी सब्जी मंडी को बाहर व्यवस्थित करने की तैयारी है। इसे नवीन मंडी के पास स्थापित करने की योजना है। इसके हटने से जहां लोगों को जाम व अतिक्रमण की समस्या से निजात मिलेगी। वहीं शहर का व्यवस्थित विकास भी होगा। साथ ही पुरानी सब्जी मंडी की पटरियों पर फुटपाथ बनाए जाएंगे। जिससे लोगों को आने–जाने में आसानी हो सके।

जिले को केबी साडा और महायोजना 2035 के तहत विकसित करने की पहल शुरू हो गई है। उम्मीद है इस माह योजनाओं को लागू करने की संस्तुति मिल जाएगी। इसके तहत शहर के विकास की रूपरेखा तय हो गई है। इसमें शहर के पुरानी सब्जी मंडी को भी व्यवस्थित करने की तैयारी है। इसे शहर के बाहर नवीन मंडी के पास ले जाए जाया जाएगा। ताकि सब्जी मंडी में लगने वाले जाम से लोगों को निजात मिल सके। साथ ही आसपास रहने

वाले लोग भी घरों को आसानी से आवाजाही कर सकें। पुरानी सब्जी मंडी को शहर के बीच से हटाकर अगर बाहर स्थापित किया जाए तो सब्जी मंडी मार्ग पर जाम से निजात मिल जाएगा। मंडी के चलते अक्सर जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। गोरखपुर की तरफ से आने वाले वाहन इसी मार्ग से होकर निकलते हैं। साथ ही शहर से जिसे गोरखपुर जाना होता है वह भी इसी मार्ग से होकर निकलता है। इस वजह से सड़क पर ही सब्जी की दुकानें लगने से लोगों को जाम की समस्या झेलनी पड़ती है।

पुरानी सब्जी मंडी के पास रहने वाले लोगों को पुरानी सब्जी मंडी हटने से राहत मिलेगी। इसके हटने के बाद यहां फुटपाथ बनाने की योजना है। इससे पैदल घर आने–जाने वाले लोगों को आसानी होगी। साथ ही दरवाजे के सामने व्यवस्थित तरीके से दुकानें भी लगने लगेंगी। पुरानी सब्जी मंडी में दुकानदार सड़ी–गली सब्जियों को सड़कों पर ही फेंक देते हैं। जिससे आए दिन जानवरों का झुंड पहुंच जाता है। इससे गंदगी और पसर जाती है। आसपास रहने वाले लोगों को उठने वाली दुर्गंध से परेशानी भी होती है। सब्जी मंडी हटने से यहां के लोगों को गंदगी से निजात मिलेगी। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि महायोजना के तहत शहर को पूरी तरह से विकसित करने की योजना है, ताकि यहां आने पर लोगों को यह अहसास हो कि वह किसी शहर में हैं। शहर की खूबसूरती भी बढ़ेगी। काम भी शुरू कर दिए गए हैं। सब्जी मंडी को व्यवस्थित किए जाने की योजना है।

बसपा छोड़ भाजपा में शामिल होने का मिला इनाम, रितेश पांडेय को अंबेडकरनगर से बनाया उम्मीदवार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने कमर कस ली है। शनिवार शाम पार्टी 80 सीटों वाले यूपी के 51 लोकसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी। पीएम नरेंद्र मोदी तीसरी बार काशी से चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा पहली सूची में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह सहित यूपी कोटे के 10 केंद्रीय मंत्रियों को फिर से मैदान में उतारा गया है। वहीं, कोई जोखिम न उठाते हुए 51 में से 47 पुराने चेहरे रिपीट किए हैं, जिनमें 44 मौजूदा सांसद शामिल हैं। हाल ही में बसपा से भाजपा में शामिल हुए रितेश पांडेय पर अंबेडकरनगर से दांव लगाया गया है। रितेश पांडेय का संबंध जिले के प्रभावी सियासी और रसूख वाले पांडे बंधु परिवार से है। वह पहली बार 2017 में जलालपुर विधानसभा से विधायक चुने गए थे। विधायक रहते साल 2019 में बसपा की टिकट पर लोकसभा का चुनाव लड़ा था। भाजपा के मुकुट बिहारी वर्मा को हराकर सांसद निर्वाचित हुए थे। बसपा के टिकट पर उन्होंने भाजपा से यह सीट छीनी थी। 2019 में भाजपा ने सिटिंग सांसद हरिओम पांडेय का टिकट काटकर तत्कालीन प्रदेश के सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा को टिकट दिया था। वहीं 2022 में हुए विधानसभा के चुनाव में सांसद रितेश पांडेय के पिता राकेश पांडेय सपा में शामिल हो गए और जलालपुर से विधायक चुने गए। उनके पिता वर्तमान में समाजवादी पार्टी से विधायक हैं। हालांकि उन्होंने हाल ही में हुए राज्यसभा के चुनाव में क्रॉस वोटिंग की थी और भाजपा को मतदान किया था। कयास लगाया जा रहा है कि वह भी जल्द भाजपा में शामिल हो सकते हैं। भाजपा ने जिन रितेश पांडेय पर दांव लगाया है उनके चाचा पवन पांडेय भी विधायक रहे हैं। वे 1991 में अकबरपुर से विधायक चुने गए थे। रितेश ने विदेश में की है पढ़ाई भाजपा ने रितेश पांडेय को 55 अंबेडकरनगर लोकसभा सीट का प्रत्याशी बनाया है। रितेश पांडेय बिजनेस मैनेजमेंट की लंदन में पढ़ाई की है। राजनीति के साथ व्यवसाय भी करते हैं। पेट्रोल पंप और दो दो शिक्षण संस्थान अकबरपुर नगर में संचालन करते हैं।

अयोध्या से लल्लू ने फिर जीता मोदी का विश्वास

संवाददाता–अयोध्या। आखिरकार सभी कयासों पर विराम लग गया। नव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व ने किसी नामबीन चेहरे के बजाय लल्लू सिंह पर फिर से विश्वास किया है। लगातार तीसरी बार वह भाजपा के टिकट पर अयोध्या जैसी प्रतिष्ठापरक लोकसभा सीट पर भाग्य आजमाएंगे। उनके सामने इंडिया गठबंधन से सपा के राष्ट्रीय महासचिव अवधेश प्रसाद विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार होंगे। अयोध्या सीट से लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार की तस्वीर साफ हो गई। पार्टी नेतृत्व की सूची में लल्लू सिंह का नाम सामने आते ही उनके घर पर बधाई देने के लिए पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का तांता लग गया। शुभकामना देने के लिए आरएसएस, विहिप और भाजपा के बड़े नेताओं के भी फोन आने लगे। उधर, इस बार टिकट में बदलाव की उम्मीद संजोए पार्टी के अन्य दावेदारों के हाथ निराशा लगी।

सांसद लल्लू के राजनीतिक जीवन पर नजर डालें तो वर्ष 2014 में मोदी लहर पर सवार होकर वह पहली बार लोकसभा पहुंचे। उन्होंने सपा उम्मीदवार मित्रसेन यादव को 2,82,775 वोटों के अंतर से हराया था। इसके दो वर्ष पहले ही वह विधानसभा चुनाव सपा उम्मीदवार तेज नारायण पांडेय पवन से हार गए थे। इसके बाद वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भी उन्होंने जीत दर्ज की। इस चुनाव में सपा गठबंधन के प्रत्याशी आनंदसेन यादव को 65,477 वोटों से पराजित किया था। अब तीसरी बार लोकसभा में पहुंचने के लिए चुनाव मैदान में उतरेंगे। वर्ष 1980 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक के रूप में सफर शुरू करने वाले लल्लू 1986 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश संगठन मंत्री बने। वर्ष 1988 में भाजपा के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद तीन बार इस पद पर रहे। वर्ष 1989 में अयोध्या सीट से पहला विधानसभा चुनाव हार गए। इसके बाद 1991 में पहली बार इसी सीट से भाजपा के टिकट पर विधानसभा पहुंचे। वर्ष 1993, 1996, 2002 व 2007 में भी विधायक चुने गए। विधायक रहते पर्यटन और ऊर्जा राज्यमंत्री का भी दायित्व संभाला।

भाजपा ने पुराने प्रत्याशी पर जताया भरोसा, दोबार मैदान में उतारा

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर की लोकसभा सीट पर भाजपा ने सिटिंग सांसद इं. प्रवीन कुमार निषाद पर भरोसा जताया है। जैसे ही प्रवीन निषाद के नाम की घोषणा हुई। उसके बाद समूचे शहर में जश्न का माहौल छा गया।

नाम की घोषणा होते ही ढोल नगाड़ों के बीच सहयोगियों के साथ सांसद ने समय माता मंदिर का दर्शन किया। उसके बाद राम जानकी मंदिर पर भी माथा टेक कर जीत का आशीर्वाद मांगा। प्रवीन निषाद जिंदाबाद के नारे से समूचा शहर गूंज उठा।

अबकी बार 400 सौ के पार गगनभेदी नारे गूंजते रहे। सांसद ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने जनता के हित के लिए जो काम किया है, उन्हीं कार्यों को लेकर जनता के बीच समर्थन मांगेंगे। अब तक जनता की उम्मीदों पर पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास किया है और इसी सिद्धांत के साथ काम करेंगे, ताकि जनता में भाजपा के प्रति भरोसा बना रहे। जिलाध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव ने कहा कि जनता इस बार भी प्रवीन निषाद को भारी मतों जिता कर सदन में भेजेगी।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9450567450 9336715406,
ईमेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com